■ ज्येष्ठ कृष्णा - 3 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 297 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 26-05-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 किसी न किसी समय हर चीज का अंत होता है : कमिंस

6 सिपाही धर्माराम बेनीवाल: दो गोलियां लगीं, फिर जान पर खेलकर लश्कर कमांडर को कर दिया ढेर

7 जूही परमार को करना पड़ा था कास्टिंग काउच का सामना

फर्स्ट टेक

बिटकॉइन घोटाला मामले में हैकर पर केसीओसीए के तहत मामला दर्ज

बेंगलूरु/भाषा। बिटकॉइन घोटाले की जांच कर रहे विशेष जांच दल ने हैकर श्रीकृष्ण उर्फ श्रीकी और रॉबिन खंडेलवाल पर कर्नाटक संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (केसीओसीए) के तहत मामला दर्ज किया है। आठ मई को 32 करोड़ रुपये मूल्य के बिटकॉइन चुराने में श्रीकी की भूमिका पाए जाने के बाद तुमकुरु पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। तुमकुरु में 32 करोड़ रुपये मूल्य के बिटकॉइन का लेनदेन हुआ था। आपराधिक जांच दल ने एक बयान में कहा कि चूंकि श्रीकी और खंडेलवाल ऐसे कई मामलों में शामिल थे इसलिए यह निर्णय किया गया है कि उन पर केसीओसीए की धारा-3 के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

33 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में शनिवार को 33 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से तीन नक्सलियों पर कुल पांच लाख रुपये का नकद इनाम है। बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि नक्सलियों ने जिले के वरिष्ठ पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि नक्सली आदिवासियों पर माओवादियों द्वारा किए गए अत्याचारों और खोखली माओवादी विचारधारा से निराश हैं तथा वे पुलिस की पुनर्वास नीति से भी प्रभावित हैं। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले 33 कैडर में दो महिलाएं भी शामिल हैं, जो माओवादियों की गंगालूर क्षेत्र समिति के तहत विभिन्न शाखाओं और संगठनों में सक्रिय थीं।

यूक्रेन ने खार्किव क्षेत्र के इलाकों पर नियंत्रण वापस ले लिया है : जेलेंस्की

कीव/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेनी बलों ने पूर्वोत्तर खार्किव क्षेत्र के उन इलाकों में नियंत्रण हासिल कर लिया है जहां रूसी सैनिकों ने इस महीने की शुरुआत में प्रवेश किया था। जेलेंस्की ने शुक्रवार शाम को अपने वीडियो संबोधन में कहा, ''हमारे सैनिक अब उस सीमा क्षेत्र में नियंत्रण लेने में सफल हो गए हैं जहां रूसी सैनिक घुस आए थे।'' जेलेंस्की का बयान रूसी अधिकारियों द्वारा की गई टिप्पणियों से भिन्न नजर आता है। रूसी सरकारी समाचार एजेंसी 'तास' की खबर के अनुसार रूस की संसद के निचले सदन के सदस्य विक्टर वोडोलात्स्की ने कहा कि रूसी सेना ने अब सीमा के अंदर तीन मील (पांच किलोमीटर) वोवचांस्क शहर के आधे से अधिक हिस्से पर नियंत्रण कर लिया है।

सूर्यास्त 26-05-2024	सूर्योदय 27-05-2024
6:41 बजे	5:52 बजे

BSE	NSE
75,410.39	22,957.10
(-7.65)	(-10.55)

सोना	चांदी
7,458 रु.	91,797 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कटघरे में कानून

फाँसी या उम्र कैद से क्या,
अपराधी सचमुच डर लेगा?
धाराओं की कारा में क्या,
गंदे मनसूबे हर लेगा?
जज ही जब खड़े कटघरे में,
कानून सख्त क्या कर लेगा?
जेबों में बैठ समर्थों की,
खुद को ताकों में धर लेगा।।

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में 61 प्रतिशत मतदान

■ पश्चिम बंगाल से मामूली झड़प और विरोध प्रदर्शन की घटनाएं सामने आईं ■ दिल्ली समेत कुछ स्थानों पर ईवीएम में खराबी की घटनाएं हुईं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में लोकसभा चुनाव के छठे चरण में शनिवार को छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 58 निर्वाचन क्षेत्रों में 61.11 प्रतिशत मतदान होने का अनुमान है। पश्चिम बंगाल के जंगल महल क्षेत्र में मतदान प्रतिशत 79.4 रहा।

निर्वाचन आयोग द्वारा अपने मतदाता मतदान ऐप पर रात 11 बजकर 45 मिनट पर जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक झारखंड में 63.76 फीसदी, उत्तर प्रदेश में 54.03 फीसदी, बिहार में 55.24 फीसदी, जम्मू-कश्मीर में 54.15 फीसदी, हरियाणा में 60.06 फीसदी, ओडिशा में 69.32 फीसदी और दिल्ली में 58.70 फीसदी मतदान हुआ।

निर्वाचन आयोग के अनुसार जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर मतदान प्रतिशत 40 वर्षों में सबसे अधिक रहा। देश में लोकसभा चुनाव के छठे चरण के मतदान के समापन के साथ अब 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 486 सीटों पर मतदान पूरा हो गया है। लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण में 57 सीटों पर एक जून को मतदान होगा और मतगणना चार जून को होगी।

भारत के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी पड़ रही है, ऐसे में कई मतदान केंद्रों पर ठंडे पानी, कूलर, पंखे और तंबू की व्यवस्था की गई थी। बुजुर्ग मतदाताओं की सहायता के लिए व्हीलचेयर भी रखी गई थीं।

आयोग ने अपने अधिकारियों और राज्य मशीनरी को गर्म मौसम के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने के लिए पर्याप्त उपाय करने का निर्देश दिया था। इस चरण में 11.13 करोड़ से अधिक मतदाता थे, जिनमें 5.84 करोड़ पुरुष, 5.29 करोड़ महिला और 5120 तृतीय लिंग के वोटर थे।

आयोग ने 1.14 लाख मतदान केंद्रों पर लगभग 11.4 लाख अधिकारियों को तैनात किया था।

■ **निर्वाचन आयोग द्वारा रात 11 बजकर 45 मिनट पर जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक झारखंड में 63.76 फीसदी, उत्तर प्रदेश में 54.03 फीसदी, बिहार में 55.24 फीसदी, जम्मू-कश्मीर में 54.15 फीसदी, हरियाणा में 60.06 फीसदी, ओडिशा में 69.32 फीसदी और दिल्ली में 58.70 फीसदी मतदान हुआ।**

''मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण से पहले (छठे चरण में) वोट डाला। राजग का आंकड़ा बेहतर से बेहतर दिख रहा है। लोगों को एहसास हो गया है कि चूंकि 'इंडी गठबंधन' सत्ता के करीब कहीं नहीं पहुंच रहा है, इसलिए उसे वोट देना व्यर्थ है।''
– प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

ओडिशा में 42 विधानसभा सीट के लिए करीब 60 प्रतिशत मतदान

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में शनिवार को छह लोकसभा क्षेत्रों और 42 विधानसभा क्षेत्रों में शाम पांच बजे तक 59.60 प्रतिशत मतदान हुआ। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि संबलपुर, क्योंझर, ढेंकनाल, कटक, भुवनेश्वर और पुरी लोकसभा सीट के साथ ही इन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के तहत आने वाली 42 विधानसभा सीट के लिए मतदान हुआ। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक अपना वोट डालने के लिए पैदल चलकर भुवनेश्वर में अपने आवास के पास 'एरोड्रोम अपर प्राइमरी स्कूल' पहुंचे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हम राज्य में एक स्थिर सरकार बनाएंगे।''

सीईसी कुमार ने मतदान प्रतिशत पर कहा

कुछ लोगों का काम ही संदेह पैदा करना है

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुकत (सीईसी) राजीव कुमार ने शनिवार को कहा कि कुछ लोगों का काम ही संदेह पैदा करना है और जोर देते हुए दावा किया कि आयोग में ऐसी मजबूत प्रणालियां हैं जिनसे सुनिश्चित होता है कि कोई त्रुटि न हो। वह मौजूदा लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत पर जताये जा रहे संदेह से जुड़े एक सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, ''कुछ लोगों का काम ही संदेह पैदा करना है। हमारी प्रणाली मजबूत है, आज से नहीं, बल्कि पिछले 70-72 वर्षों से।'' उनकी टिप्पणी ऐसे दिन आई, जब निर्वाचन आयोग ने सात चरणों में हो रहे लोकसभा चुनाव के शुरूआती पांच चरणों में डाले गए वोट की संख्या पर स्वयं लोकसभा क्षेत्र-वार आंकड़ा जारी किया।

मतदान के ये आंकड़े, बूथ-वार मतदान का आंकड़ा आयोग की वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए एक गैर सरकारी संगठन की याचिका पर उसे निर्देश जारी करने से उच्चतम न्यायालय के इनकार करने के एक दिन बाद जारी किये गए।

राजकोट के 'गेम जोन' में आग लगने से बच्चों समेत 27 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजकोट/भाषा। गुजरात के राजकोट शहर में शनिवार शाम एक 'गेम जोन' में भीषण आग लगने से बच्चों समेत कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि गेमिंग गतिविधियों के लिए निर्मित फाइबर के एक ढांचे में शाम करीब साढ़े चार बजे आग लग गई, जिसके बाद प्रभावित टीआरपी गेम जोन में राहत एवं बचाव अभियान पांच घंटे से अधिक समय से जारी है। उन्होंने बताया कि भीषण आग के कारण ढांचा ध्वस्त हो गया।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) विनायक पटेल ने कहा, अभी तक हमने आग की घटना में 27 लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। शव पूरी तरह से जल गए हैं और उनकी पहचान करना मुश्किल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाना-मावा रोड स्थित गेम जोन में यह हादसा उस समय हुआ जब बच्चों सहित कई लोग खेल रहे थे।

राजकोट के जिलाधिकारी प्रभाव जोशी ने कहा, ''गेम जोन में आग लगने की सूचना अग्नि नियंत्रण कक्ष को शाम करीब 4:30 बजे मिली। आग बुझाने के लिए दमकल गाड़ियां और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और मलबा हटाया जा रहा है।'' हालांकि, भीषण आग लगने का सही कारण पता नहीं चल पाया है।

अपने वोट बैंक के लिए 'मुजरा' कर रहा है 'इंडि' गठबंधन : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/डेहरी/बक्सर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन 'इंडि' पर शनिवार को तीखा हमला किया और उस पर मुस्लिम वोट बैंक के लिए ''गुलामी'' और ''मुजरा'' करने का आरोप लगाया।

बिहार के पाटलिपुत्र, काराकाट और बक्सर संसदीय क्षेत्रों में अलग-अलग रैलियों को संबोधित करते हुए मोदी ने विपक्ष पर तीखा हमला किया और अल्पसंख्यक संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पछड़ा वर्ग को ''आरक्षण से वंचित'' करने के लिए राजद और कांग्रेस जैसे दलों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, ''बिहार वह भूमि है जिसने सामाजिक न्याय की लड़ाई को एक नई दिशा दी है। मैं इस प्रदेश की भूमि पर यह घोषणा करना चाहता हूं कि मैं एससी, एसटी और ओबीसी के अधिकारों को लूटने और उन्हें मुसलमानों को देने की ''इंडि'' गठबंधन की योजनाओं को विफल कर दूंगा। वे गुलाम बने रह सकते हैं और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए ''मुजरा'' कर सकते हैं।''

मोदी ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी गठबंधन उन लोगों के समर्थन पर भरोसा कर रहा है जो ''वोट जिहाद'' में लिप्त हैं। साथ ही उन्होंने कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला दिया, जिसमें कई मुस्लिम समूहों को ओबीसी की सूची में शामिल करने के पश्चिम बंगाल सरकार के फैसले को रद्द कर दिया गया है।

मोदी पाटलिपुत्र संसदीय क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रामकृपाल यादव के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। उन्होंने व्यंग्यात्मक टिप्पणी करते हुए कहा, ''कई लोगों का भगवान राम से इतना झगड़ा है कि वे राम कृपाल के नाम पर भी नाक-भौं सिकोड़ सकते हैं।''

मोदी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव का नाम लिए बगैर कहा, ''एलईडी बल्ब के युग में वे ''लालटेन'' (राजद का चुनाव चिह्न) लेकर घूम रहे हैं, जिससे केवल उनका घर रोशन होता है और पूरे बिहार को अंधेरे में रखा जाता है।''

गौरतलब है कि लालू प्रसाद की बड़ी बेटी मीसा भारती लगातार तीसरी बार पाटलिपुत्र से अपनी किस्मत आजमा रही हैं।

प्रधानमंत्री की भाषा की गरिमा गिरती जा रही है : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भाषा की गरिमा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सीटें, दोनों लगातार गिरती जा रही हैं। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की है जब प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की एक चुनावी सभा में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर शनिवार को तीखा हमला बोलते हुए उस पर मुस्लिम वोट बैंक के लिए ''गुलामी'' और ''मुजरा'' करने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री की भाषा की गरिमा और भाजपा की सीटें – दोनों ही लगातार गिरती चली जा रही हैं।''

पोर्श कार दुर्घटना में शामिल किशोर के दादा को 28 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

पुणे/भाषा। महाराष्ट्र में पुणे की एक अदालत ने पोर्श कार दुर्घटना मामले में शामिल किशोर के दादा को शनिवार को 28 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। अभियोजन पक्ष ने एक अदालत को बताया कि पॉर्श दुर्घटना मामले में शामिल किशोर के दादा के घर से एक सीसीटीवी कैमरे का डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद किया गया है और प्रारंभिक जांच से फुटेज के साथ छेड़छाड़ का भी पता चला है। दादा को 19 मई की दुर्घटना के बाद पारिवारिक ड्राइवर को गलत तरीके से बंधक बनाने के लिए दिन में ही गिरफ्तार कर लिया गया था और दोपहर में एक अवकाशकालीन अदालत के समक्ष पेश किया गया था।

अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि उन्होंने आरोपी के घर से सीसीटीवी का डीवीआर बरामद कर लिया है और प्राथमिक जांच से संकेत मिलता है कि फुटेज के साथ कथित तौर पर छेड़छाड़ की गई है, जिसे साइबर विश्लेषण के लिए भेजे जाने की जरूरत है। इस बीच पुणे के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बताया कि किशोर के पिता और दादा ने अपने परिवार के ड्राइवर को नकदी और उपहार की पेशकश की और बाद में उसे दुर्घटना का दोष कबूल करने को कहा था।

कथित बेअदबी को लेकर पाकिस्तान में भीड़ ने ईसाइयों पर हमला किया, दो घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लाहौर/भाषा। कुरान के अपमान के आरोप में कट्टरपंथी इस्लामवादियों के नेतृत्व में भीड़ ने शनिवार को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में ईसाइयों पर हमला कर दिया, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय के कम से कम दो सदस्य घायल हो गए। यह घटना सुबह लाहौर से करीब 200 किलोमीटर दूर पंजाब के सरगोधा जिले के मुजाहिद कॉलोनी में हुई। पुलिस का दावा है कि समय पर मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया है।

ईसाई समुदाय की संपत्तियों पर भीड़ के हमले के कई वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित हो रहे हैं। कट्टरपंथी तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में भीड़ ने ईसाई समुदाय पर हमला किया, उनकी संपत्ति को जला दिया और तोड़फोड़ की।

पंजाब के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी असद इजाज मल्ही के अनुसार, पुलिस की एक बड़ी टुकड़ी मुजाहिद कॉलोनी पहुंची और भीड़ को तितर-बितर कर दिया, जिसने कुरान के अपमान के आरोप में (ईसाइयों के) कुछ घरों को घेर लिया था। उन्होंने कहा कि एक घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए वहां पुलिस तैनात की गई है।

आईपीएल के फाइनल में गेंदबाज करेंगे जीत का फैसला

कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच होगा आज फाइनल मैच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आईपीएल 2024

चेन्नई/वार्ता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के फाइनल मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के मेंटॉर गौतम गंभीर की रणनीति और सनराइजर्स हैदराबाद (एचआरएच) के कप्तान पैट कमिंस के भावुक और प्रेरणादायक नेतृत्व का होगा आमना सामना। पिछले मैच में पिच के व्यवहार को देखते हुये यह माना जा रहा है कि बल्लेबाजों की जगह गेंदबाज करेंगे जीत का फैसला।

आईपीएल के इस सत्र में केकेआर के पुनरुत्थान के पीछे टीम प्रबंधन में गंभीर की वापसी रही है। उन्होंने अपने कुशाग्र क्रिकेट बुद्धि के लिए प्रसिद्ध गंभीर की रणनीतिक कुशलता ने केकेआर को पुनर्जीवित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ उनकी साझेदारी परिवर्तनकारी रही है जिससे टीम आईपीएल के खिताब की मजबूत दावेदार बन गई है। दो क्वालीफायर और एलिमिनेटर मुकाबलों में बल्लेबाज बड़ा स्कोर खड़ा करने में विफल साबित हुये।

सहज स्मृति योग

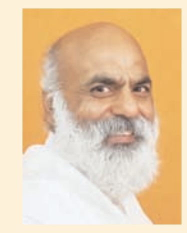

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाट्स अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप कहते हैं कि मोक्ष होता तो अपने अनुभव में ही है जो गुरु दृष्टि में ही मिलता है परंतु गुरुजी यदि स्वयं ही जीवन-मुक्त ना हों और मोक्ष को प्राप्त न हुए हों तो क्या होगा ? ये मैं कैसे जानूं कि, वे जीवन-मुक्त हैं और मोक्ष प्राप्त हैं?

उत्तर: जो मोक्ष प्राप्त न हो, जीवन मुक्त न हो वह गुरु पद का उत्तरदायित्व स्वीकार ही नहीं कर पाता लेकिन जो स्वीकार कर पाता है वह मोक्ष प्राप्त होने का दंभ प्रकट नहीं कर पाता। क्योंकि, ऐसा प्रकट करना ही दंभ हो जाता है परंतु, स्पष्टता देना उत्तरदायित्व होता है। स्पष्टता और दंभ के बीच की रेखा अत्यंत महीन है क्योंकि, अज्ञान, अहंकार, भ्रम आदि यहीं से उपजते हैं।जिसके मुक्त या मोक्ष प्राप्त होने पर हमें रत्ती भर भी संदेह हो तो उसे हम गुरु स्वरूप में स्वीकार ही क्यों या कैसे करेंगे? गुरु का चुनाव करना या ना करना तो प्रतिपल हमारी पर स्वेच्छा और स्वतंत्रता है क्योंकि गुरु की आवश्यकता ही मोक्ष प्राप्ति के ध्येय/लक्ष्य को पूरा करने के हेतु होती है।

गुरु जीवन-मुक्त हैं, मोक्ष प्राप्त हैं यह तो गुरु के ही साथ निरंतर सत्संग से जाना जा सकता है किन्तु गुरु जीवन-मुक्त और मोक्ष प्राप्त नहीं हैं यह नहीं जाना जा पाता है क्योंकि, यही अज्ञान है।परंतु विडंबना यही है कि काल कर्म स्वभाव वश भ्रमीभूत हुए बहुतेरे मनुष्य बस यही जानते रहते हुए जन्म-जन्म भटकते रहते हैं । गुरु कोई व्यक्ति नहीं, परम आध्यात्मिक चैतन्य है जो किसी व्यक्ति में प्रकट हो जाता है आपकी समस्या या भ्रम यह है कि इन दोनों को विलग-विलग कैसे देखें? दोनों को एक देख पाने में समर्थ हो पाने की घटना घटना ही इसका परम् समाधान होती है। वह घटना कब घटेगी यह कौन कहे?

जम्मू-कश्मीर में जल्द ही विस चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करेंगे : राजीव कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

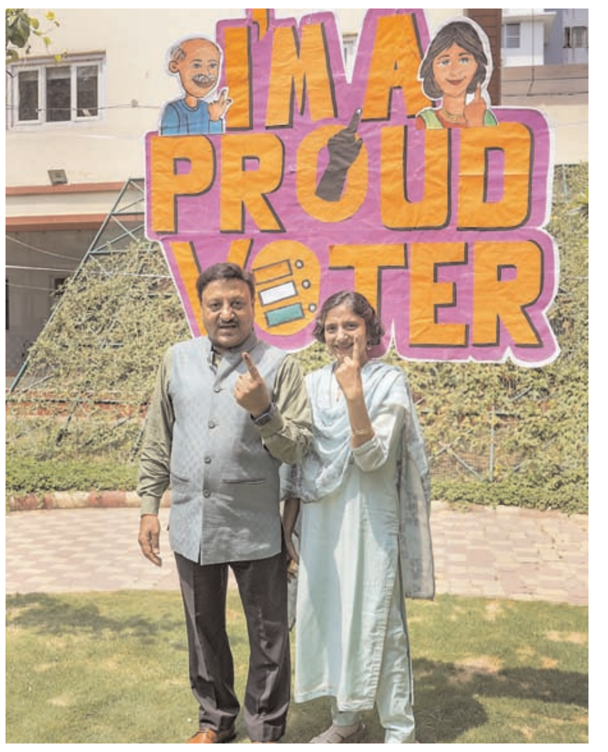

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत से उत्साहित निर्वाचन आयोग ''बहुत जल्द'' केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू करेगा। उन्होंने 'पीटीआई-वीडियो' से यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोग अपनी सरकार पाने के हकदार हैं।

जम्मू-कश्मीर की विभिन्न सीट पर मतदान प्रतिशत और विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे गये सवाल का जवाब देते हुए कुमार ने कहा कि संसदीय चुनावों में लोगों की भागीदारी से निर्वाचन आयोग बहुत उत्साहित है। उन्होंने कहा, ''लोग - युवा, महिलाएं खुशी-खुशी बड़ी संख्या में (मतदान के लिए) निकल रहे हैं। लोकतंत्र की जड़ें और मजबूत हो रही हैं, लोग भाग ले रहे हैं।''

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, ''वे अपनी सरकार पाने के हकदार हैं। हम बहुत जल्द ही वह प्रक्रिया शुरू करेंगे... ऐसा करने के लिए बहुत उत्साहित हूं।''

मार्च में लोकसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा करते हुए, कुमार ने कहा था कि विधानसभा और संसदीय चुनाव एक साथ कराना साजो-सामान और सुरक्षा कारणों से व्यावहारिक नहीं है। जम्मू-कश्मीर में चुनावी प्रक्रिया आमतौर पर एक महीने तक चलती है। परिसीमन की कवायद के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को आवंटित सीट को छोड़कर, विधानसभा सीट की संख्या 83 से बढ़कर 90 हो गई है। उच्चतम न्यायालय ने दिसंबर में निर्वाचन आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था।

केजरीवाल ने पाक के पूर्व मंत्री को लगाई फटकार, कहा-

आतंकवाद के प्रायोजकों का हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पाकिस्तान के पूर्व मंत्री चौधरी फवाद हुसैन को उनके उस बयान को लेकर फटकार लगाई जिसमें चौधरी ने लोकसभा चुनाव में नफरत फैलाने वाली और चरमपंथी ताकतों के हार की अपील की है। केजरीवाल ने कहा कि चुनाव भारत का आंतरिक मामला है और यह 'आतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजकों' के हस्तक्षेप को बर्दाश्त नहीं करेगा।

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में दिल्ली के सात निर्वाचन क्षेत्रों समेत कुल 58 संसदीय क्षेत्रों में शनिवार को मतदान किया गया। मतदान करने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने अपने परिवार की एक तस्वीर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा की जिसमें सभी सदस्य स्याही लगी उंगलियां दिखा रहे हैं। इसके साथ ही केजरीवाल ने अपने पोस्ट में कहा कि उन्होंने 'तानाशाही, महंगाई और बेरोजगारी' के खिलाफ वोट दिया।

केजरीवाल की पोस्ट को 'एक्स' पर साझा करते हुए 'मोर पावर' और 'इंडिया इलेक्शन 2024' हैशटैग के साथ हुसैन ने कहा, ''शांति और सौहार्द नफरत फैलाने वाली और चरमपंथी ताकतें परास्त हों।''

हुसैन के पोस्ट के कुछ मिनट बाद अरविंद केजरीवाल ने उन पर पलटवार करते हुए कहा कि उनका पोस्ट गैरजरूरी है।

लोग तानाशाही के खिलाफ मतदान कर रहे हैं : केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को पत्नी सुनीता केजरीवाल समेत अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ यहां एक मतदान केंद्र पर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। केजरीवाल ने कहा कि लोग ''तानाशाही, महंगाई और बेरोजगारी'' के खिलाफ बड़ी संख्या में मतदान कर रहे हैं। केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी, दो बच्चे और पिता गोविंद राम केजरीवाल भी मतदान करने पहुंचे। उन्होंने चांदनी चौक लोकसभा क्षेत्र के सिविल लाइंस इलाके में एक मतदान केंद्र पर मतदान किया। इस निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के जेपी अग्रवाल 'इंडिया गठबंधन' के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इस सीट से प्रवीण खंडेलवाल को चुनाव मैदान में उतारा है।

केजरीवाल ने कहा कि उनकी बुजुर्ग मां स्वास्थ्य कारणों से उनके साथ नहीं आ सकीं। उन्होंने कहा, ''मैंने तानाशाही, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ वोट दिया। अपना वोट डालने के बाद पत्रकारों से बातचीत में दिल्ली के मुख्यमंत्री ने लोगों से भीषण गर्मी के कारण अपने घरों में न बैठने और तानाशाही के खिलाफ मतदान करने के लिए बाहर निकलने की अपील की। उन्होंने कहा, ''मैं समझता हूं कि बड़ी संख्या में लोग तानाशाही, महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ वोट कर रहे हैं क्योंकि वे बेहद परेशान हैं।'' दिल्ली आबकारी नीति मामले में केजरीवाल एक जून तक अंतरिम जमानत पर हैं। केजरीवाल के पिता गोविंद राम केजरीवाल ने वोट डालने के बाद 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह हमें सुरक्षित रखें ताकि हम उससे प्रार्थना करते रहें।''

चीन ने हमारी जमीन का अतिक्रमण कर लिया, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं : खरगे

शिमला/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शनिवार को आरोप लगाया कि चीन ने भारत की जमीन का अतिक्रमण कर लिया तथा मकान और सड़कें बना रहा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुप हैं।

खरगे ने हिमाचल प्रदेश के रोहड़ू में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री पर कटाक्ष किया और पूछा कि ''56 इंच का सीना'' कहां है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी देश के लोगों और संविधान को बचाने के लिए लड़ रही है। उन्होंने कहा कि अगर संविधान नहीं बच पाया तो लोकतंत्र और उसके तहत मिले अधिकार छीन लिये जाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार अमीरों का समर्थन करती है, जबकि कांग्रेस गरीबों के साथ है।

खरगे ने कहा कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बुनियादी ढांचा बनाया जिससे गरीबों को मदद मिली, लेकिन मोदी कांग्रेस से 55 साल का हिसाब मांग रहे हैं। उन्होंने कहा, हम पाई-पाई का हिसाब देंगे, लेकिन पहले मोदी अपने कार्यकाल का हिसाब दें।

खरगे ने कहा, ''हमने पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई लड़ी और बांग्लादेश को आजादी दिलाई। चीन ने हमारी जमीन का अतिक्रमण कर लिया तथा मकान और सड़कें बना रहा है लेकिन प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। 56 इंच का सीना कहां है?''

डोंबिवली कारखाना विस्फोट: मालिक को 29 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने शनिवार को डोंबिवली स्थित रासायनिक कारखाने के मालिक को 29 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया, जहां हुए विस्फोट में नौ लोगों की मौत हो गई थी और 60 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

ठाणे पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि आरोपी एवं अमुदन केमिकल्स के मालिक मलय मेहता (38) को कल्याण में मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मेहता की 14 दिन की हिरासत का अनुरोध किया और अदालत को बताया कि उन्हें कारखाना स्थल का दौरा करना है और पता लगाना है कि अपराध में और कोई शामिल था या नहीं। अधिकारी ने बताया कि विस्फोट के कारण बहुत अधिक नुकसान हुआ और पुलिस इस घटना में कई लोगों की भूमिका की जांच करना चाहती है। मेहता के वकील ने दलील दी कि कंपनी के पास सभी आवश्यक अनुमतियां हैं और उसने सभी नियमों का पालन किया। मामले में एक हस्तक्षेपकर्ता भी था, जिसने हिरासत और पूछताछ के लिए पुलिस की याचिका का समर्थन किया। अधिकारी ने बताया कि सभी वकीलों की दलीलें सुनने के बाद मजिस्ट्रेट ने आरोपी को 29 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। अपराध शाखा की उल्हासनगर इकाई ने जांच अपने हाथ में ले ली है। पुलिस ने कंपनी के मालिकों, निदेशकों, प्रबंधन कर्मचारियों और कारखाने की देखरेख करने वाले अधिकारियों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की है।

आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत गैर इरादतन हत्या (धारा 304), स्वेच्छा से चोट पहुंचाने और दहनशील पदार्थ और विस्फोटक पदार्थों के संबंध में लापरवाही बरतने के लिए मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत भी आरोप लगाए हैं।

बिजी बी एयरवेज ने गो फर्स्ट के लिए बोली वापस ली

नई दिल्ली/भाषा। एयरलाइन गो फर्स्ट के लिए बोली में शामिल होने के तीन से ज्यादा महीने के बाद यात्रा पोर्टल ईजमाईट्रिप के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) निशांत पिट्टी ने शनिवार को कहा कि वे एयरलाइन की बोली प्रक्रिया से अपना नाम वापस ले रहे हैं। पिट्टी की अधिकांश हिस्सेदारी वाली बिजी बी एयरवेज ने फरवरी में स्पाइसजेट के प्रमुख अजय सिंह के साथ मिलकर गो फर्स्ट के लिए बोली लगाई थी। गो फर्स्ट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। पिट्टी ने कहा कि विचार करने के बाद उन्होंने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में गो फर्स्ट के लिए बोली वापस लेने का फैसला किया। उन्होंने बयान में कहा, यह निर्णय मुझे अन्य रणनीतिक प्राथमिकताओं और पहलों पर बेहतर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा, जो हमारी दीर्घकालिक दृष्टि और वृद्धि उद्देश्यों के साथ जुड़ी हुई हैं।

इससे पहले हाल ही में दिल्ली उच्च न्यायालय ने गो फर्स्ट को पट्टे पर दिए गए 54 विमानों को वापस लेने की अनुमति दी थी। पिट्टी ने 26 अप्रैल को कहा था कि वह अदालत के आदेश की समीक्षा के बाद बंद पड़ी एयरलाइन के लिए पेशकश में किसी भी आवश्यक बदलाव पर विचार करेंगे। फिलहाल यह पता नहीं चला है कि बिजी बी एयरवेज के बाहर हो जाने के बाद संयुक्त बोली लगाने वाले अजय सिंह बोली लगाएंगे या नहीं।

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में आग लगने से 12 झुग्गियां जलकर खाक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के चिल्ला खादर इलाके में आग लगने से कम से कम 12 झुग्गियां जलकर खाक हो गयी।

दिल्ली दमकल सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि आग लगने के बारे में सुबह 10 बजकर 46 मिनट पर सूचना मिली और दमकल की सात गाड़ियों को घटनास्थल के लिए भेजा गया।

डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया, ''दमकल की गाड़ियों को आग पर पूरी तरह काबू पाने में करीब एक घंटे का वक्त लगा। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।''

भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र देश की अर्थव्यवस्था मजबूत करने को तैयार : राघवन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेजन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) के वरिष्ठ अधिकारी कुमार राघवन ने कहा है कि भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र परिपक्व है और इसमें कई अनुकूल परिस्थितियां भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं।

राघवन भारत और दक्षिण एशिया में एडब्ल्यूएस के स्टार्टअप प्रमुख हैं।

राघवन ने पीटीआई-भाषा से जीवंत भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य पर चर्चा की और इसकी ताकत तथा नवाचार क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हम पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं... इसमें योगदान देने वाले कारक श्रम वृद्धि, बुनियादी ढांचे की वृद्धि और दक्षता में सुधार हैं, जहां रचनात्मक कृत्रिम मेधा (जेनएआई) जैसी प्रौद्योगिकियां अपनी भूमिका निभाएंगी।'' उन्होंने कहा कि इनके अलावा एक बड़े डेवलपर पारिस्थितिकी तंत्र की मौजूदगी, देश में उत्पाद बनाने और दुनिया भर में सेवा देने की क्षमता और नियामक अनुकूल परिस्थितियां भी हैं।

राघवन ने भारतीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की परिपक्वता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इसमें ऐसे अनुभवी संस्थापकों के महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखा गया, जिन्होंने कई उद्यम शुरू किए हैं। उन्होंने कहा, हम दुनिया में तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र हैं। हमारे लिए कुछ अनुकूल परिस्थितियां जारी हैं।

राघवन ने कहा, पिछले सात-आठ साल में हमने संस्थापकों को कई स्टार्टअप शुरू करते हुए देखा है। उन्होंने कहा कि अनुभव की इस संपदा ने न केवल स्टार्टअप को गति दी है, बल्कि उनकी सफलता की संभावना भी बढ़ा दी है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में मतदान केंद्र के बाहर हुई झड़प, छह घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेंढर/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के मेंढर उपमंडल में एक मतदान केंद्र के बाहर दो उम्मीदवारों के समर्थकों के बीच हुई झड़प में चार महिलाओं सहित छह लोगों को मामूली चोटें आईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक हालांकि, पुलिस के हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप शाहपुर सेक्टर के मतदान केंद्र पर मतदान की प्रक्रिया बिना किसी व्यवधान के जारी रही और पुलिस ने झड़प करने वाले समूहों को अलग कर दिया।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने इस सिलसिले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है और विस्तृत जांच जारी है। पुंछ अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां शनिवार को छठे चरण में मतदान हो रहा है। पुंछ के उपायुक्त के कार्यालय ने 'एक्स' पर कहा, ''समय रहते विवाद को रोक लिया गया और मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मतदान किसी भी समय बाधित नहीं हुआ और सुचारु रूप से चलता रहा।''

निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद की गुरुग्राम में हृदयाघात से मृत्यु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुरुग्राम/चंडीगढ़/भाषा। बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद की शनिवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने कहा कि 45 वर्षीय विधायक को सुबह दिल का दौरा पड़ा, जिसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस के अनुसार वहां पालम विहार में मणिपाल अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। दौलताबाद ने 2019 के विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर जीत हासिल की थी और बाद में उन्होंने भाजपा सरकार का समर्थन किया था। विधायक के परिवार के सदस्यों से संपर्क नहीं हो सका। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) करण गोयल ने पुष्टि की कि विधायक की मृत्यु के बारे में परिवार को जानकारी मिल गई है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दौलताबाद के निधन पर दुख व्यक्त किया और कहा कि उनके निधन से राज्य की राजनीति में एक खालीपन पैदा हो गया है। सैनी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, बादशाहपुर के विधायक के आकस्मिक निधन के बारे में सुनकर दुखी और स्तब्ध हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दौलताबाद की आकस्मिक मृत्यु ने राज्य की राजनीति में एक खालीपन पैदा कर दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री खट्टर ने भी दौलताबाद के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, बादशाहपुर से विधायक श्री राकेश दौलताबाद के अचानक निधन से दुखी और स्तब्ध हूं।

खट्टर ने कहा कि हरियाणा विधानसभा ने एक युवा और ऊर्जावान सदस्य खो दिया और राज्य की राजनीति में दौलताबाद को हमेशा याद रखा जाएगा।

महबूबा ने 'पीडीपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने' के खिलाफ प्रदर्शन किया, भीड़ पर पुलिस लाठीचार्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिजबेहरा (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और मतदान एजेंट को कथित रूप से हिरासत में लिए जाने के खिलाफ शनिवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में एक पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट पर चुनाव के लिए शनिवार को मतदान जारी है जहां पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती समेत 20 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

महबूबा ने यह भी दावा किया कि उनके मोबाइल नंबर से फोन करने की ('आउटगोइंग कॉल') सुविधा बिना किसी स्पष्टीकरण के निलंबित कर दी गई है।

हालांकि, पुलिस ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोग 'ओवरग्राउंड वर्कर' (आतंकवादियों के सहयोगी) हैं और यह कार्रवाई चुनाव का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने के लिए की गई है। महबूबा ने श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिजबेहरा पुलिस थाने के बाहर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने जम्मू-कश्मीर प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए और हिरासत में लिए गए लोगों को तुरंत रिहा करने की मांग की।

महबूबा ने संवाददाताओं से कहा, ''हमारे पीडीपी मतदान एजेंट को निशाना बनाया जा रहा है और गिरफ्तार किया जा रहा है। हम इसका कारण पूछ रहे हैं लेकिन वे कुछ नहीं बता रहे। अगर वे मेरे संसद जाने से इतना डरते हैं तो उपराज्यपाल को मुझसे चुनाव नहीं लड़ने के लिए कह देना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की ''धांधली'' 1987 में देखी गई थी। कई लोगों का मानना है कि उसी के कारण कश्मीर में आतंकवाद भड़का था।

पुलिस ने कहा कि केवल उन कुछ लोगों को ही हिरासत में लिया गया है जिनका पिछला रिकॉर्ड ''खराब'' है और जो मतदान के दिन कानून-व्यवस्था के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, ''जिन लोगों को हिरासत में लिया गया है, वे 'ओवरग्राउंड वर्कर' हैं और शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित करने के लिए उन्हें एहतियातन हिरासत में लिया गया है।'' एक प्रदर्शनकारी यासमीन ने कहा कि हिरासत में लिए गए लोगों में उनके पति भी शामिल हैं। उसने कहा, ''मैं कल रात से बहुत चिंतित हूं। मेरे पति किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल नहीं हैं, फिर भी उन्हें हिरासत में लिया गया है।''

यासमीन ने कहा, ''हमें उनसे मिलने भी नहीं दिया जा रहा। आज मतदान का दिन है और सभी को मतदान करने का अधिकार है। उन्हें हिरासत में क्यों लिया गया और मतदान करने से क्यों रोका गया? कानून सभी के लिए समान होना चाहिए।'' अधिकारियों ने कहा कि पुलिस और नगर निकाय अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और पीडीपी प्रमुख को नाकाबंदी हटाने के लिए मनाने की एक घंटे से अधिक समय तक कोशिश की जो सफल नहीं हुई। उन्होंने बताया कि लोगों की बढ़ती भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिसकर्मियों ने मामूली लाठीचार्ज किया। मीडियाकर्मियों ने दावा किया कि लाठीचार्ज में कुछ मीडियाकर्मी भी घायल हुए हैं। महबूबा वोट डालने के लिए कुछ देर के लिए धरना स्थल से गईं।

मीडियाकर्मियों को मतदान केंद्र के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई और सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें बूथ से 100 मीटर पहले ही रोक दिया। अधिकारियों ने बताया कि महबूबा अब भी प्रदर्शन स्थल पर मौजूद हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए अतिरिक्त बल बुलाए गए हैं। महबूबा ने शुक्रवार को निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर दावा किया था कि पीडीपी कार्यकर्ताओं और मतदान एजेंट को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। इससे पहले, महबूबा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मैं सुबह से कोई फोन कॉल नहीं कर पा रही हूं। अनंतनाग लोकसभा क्षेत्र में मतदान के दिन अचानक सेवाओं को निलंबित करने का कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।'' पीडीपी ने भी सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए इस मुद्दे को उठाया। इसमें कहा गया, ''चुनाव से ठीक पहले महबूबा मुफ्ती की मोबाइल फोन सेवा अचानक बंद कर दी गई। मतदान क्षेत्र में कई पीडीपी कार्यकर्ताओं और मतदान एजेंट को कल शाम और आज तड़के हिरासत में लिया गया।''

कुमारस्वामी ने 2016 में सिद्दरामैया के बेटे की मौत होने का मुद्दा उठाया, मुख्यमंत्री ने किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल-सेक्युलर (जद-एस) के वरिष्ठ नेता एच. डी. कुमारस्वामी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के बेटे की आठ साल पहले विदेश में हुई मौत का मामला शनिवार को उठाया और जानना चाहा कि उन्होंने (सिद्दरामैया ने) इसकी जांच का आदेश क्यों नहीं दिया। इस बयान पर सिद्दरामैया ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और अपने बेटे की मौत को लेकर पूछे गये इस सवाल को कुमारस्वामी की 'मूर्खता' करार दिया। मुख्यमंत्री के रूप में सिद्दरामैया के पहले कार्यकाल के दौरान 30 जुलाई, 2016 को बेल्जियम में कई अंगों के काम करना बंद कर देने के कारण राकेश सिद्दरामैया की मृत्यु हो गई थी।

कुमारस्वामी ने सिद्दरामैया पर उनके इस बयान के लिए भी निशाना साधा कि जद (एस) के हासन सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना ने अपने दादा एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा सहित परिवार के सदस्यों की जानकारी में देश छोड़ा है। कुमारस्वामी ने कहा कि यौन शोषण के मुद्दे को जीवित रखने के अलावा इस मामले की सच्चाई सामने लाने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है।

कुमारस्वामी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूछा, मुख्यमंत्री (सिद्दरामैया) का बेटा भी विदेश गया था और एक दुर्घटना का शिकार हो गया। वह किस कार्यक्रम में गया था? क्या उसने सिद्दरामैया की अनुमति ली थी?'' उन्होंने पूछा, ''सिद्दरामैया ने राकेश की मौत की जांच के आदेश क्यों नहीं दिए? इसे क्यों छुपाया गया? क्या मुख्यमंत्री ने उन्हें विदेश भेजा था?''

कुमारस्वामी ने मुख्यमंत्री से यह भी पूछा कि 2016 में राकेश की विदेश यात्रा के दौरान उनके साथ साथ कितने लोग थे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रज्ज्वल से संबंधित यौन शोषण मामले का इस्तेमाल उनके परिवार को राजनीतिक रूप से खत्म करने के लिए किया जा रहा है। जद (एस) के वरिष्ठ नेता देवेगौड़ा के पोते और हासन लोकसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार प्रज्ज्वल (33) के खिलाफ कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। प्रज्ज्वल हासन सीट पर 26 अप्रैल को हुए मतदान के एक दिन बाद कथित तौर पर जर्मनी के लिए रवाना हो गए और अब भी फरार हैं।

सिद्दरामैया ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, राकेश की आठ साल पहले मौत हो गई थी। राकेश का मामला उठाना उनकी (कुमारस्वामी की) मूर्खता है। उन्होंने कुमारस्वामी पर राजनीतिक कारणों से राकेश की मौत का मामला उठाने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने कहा, राकेश सिद्दरामैया की 2016 में मृत्यु हो गई। इस मामले और प्रज्ज्वल के मामले के बीच क्या संबंध है? उनका (कुमारस्वामी का) भतीजा (प्रज्ज्वल) बलात्कारी है।

जल जमाव

कर्नाटक के हम्पी में शनिवार को सुबह प्रसिद्ध विजय विट्ठल मंदिर का अद्भुत सुन्दर प्रतिबिम्ब, शुक्रवार रात को हुई तेज बारिश के बाद मंदिर परिसर में जल जमाव हो गया है।

बैठक

शनिवार को दावणगेरे में शनिवार को विधान परिषद चुनाव के लिए मतदाताओं की बैठक के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा, पार्टी नेता सीटी रवि और अन्य।

विजयेंद्र ने कांग्रेस पर हिंसा भड़काने का लगाया आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने शनिवार को कांग्रेस पार्टी पर चन्नागिरी में हुई एक हिरासत में मौत के बाद हिंसा भड़काने और पुलिसकर्मियों पर हमला करने का आरोप लगाया। विजयेंद्र ने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी का मुस्लिम वोट बैंक का तुष्टिकरण राज्य को अराजकता की ओर धकेल रहा है।

विजयेंद्र ने बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को दूर करने के लिए राज्यपाल से तत्काल हस्तक्षेप करने का आह्वान किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि अपराधी और विघटनकारी शक्तियां पुलिस थानों पर हमलों को सही ठहराने के लिए अल्पसंख्यक अधिकारों का दुरुपयोग कर रही हैं।

संभावित आतंकवादी भागीदारी पर प्रकाश डालते हुए विजयेंद्र ने बेंगलूरु कैफे विस्फोट मामले से जुड़ी हालिया गिरफ्तारियों की ओर इशारा किया। उन्होंने सुरक्षा की वर्तमान स्थिति की आलोचना करते हुए कहा कि पुलिस अधिकारी निष्पक्ष रूप से अपने कर्तव्यों का पालन करने में असमर्थ रहे हैं, जिससे एक ऐसा वातावरण बन जाता है जहां आतंकवादी और माफिया पनपते हैं।

डीजे हल्ली, उडुप्पी और अब चन्नागिरी की घटनाओं का हवाला देते हुए श्री विजयेंद्र ने पुलिस बल को अस्थिर करने के लिए एक व्यवस्थित कोशिश करने की चेतावनी दी। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के नेतृत्व वाले बिहार की स्थिति की तुलना करते हुए दावा किया कि कांग्रेस के शासनकाल में कर्नाटक असुरक्षा और हिंसा की भूमि बन रहा है।

हिरासत में मौत के मामले में थाने में तोड़फोड़

दावणगेरे/दक्षिण भारत। कर्नाटक में दावणगेरे जिले के चन्नागिरी शहर में कथित तौर पर हिरासत में एक व्यक्ति की मौत को लेकर हिंसक भीड़ ने शनिवार तड़के एक थाने में तोड़फोड़ की और कई वाहनों को आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि आदिल (30) को जिले में जुए से संबंधित गतिविधियों में कथित संलिप्तता के कारण 24 मई को हिरासत में लिया गया था, और इस दौरान उसकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ गई और गत रात उसकी मौत हो गयी। मौत की खबर के बाद उसके रिश्तेदारों के साथ लोगों के एक बड़े समूह ने हंगामा किया, पुलिस वाहनों को नुकसान पहुंचाया और पुलिस थाने पर पथराव किया। उनका आरोप है कि आदिल की मौत हिरासत में हुई है।

दावणगेरे की पुलिस अधीक्षक (एसपी) उमा प्रशांत ने कहा कि शव को सरकारी अस्पताल में ले जाया गया है और पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार के सदस्यों को सौंप दिया जाएगा। एसपी के मुताबिक, पुलिस इलाके में गश्त कर रही है और चन्नागिरी में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। उन्होंने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पोस्टमार्टम मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में किया जाएगा। पुलिस का दावा है कि थाने लाए जाने के छह से सात मिनट के अंदर ही आरोपी की मौत हो गई।

जी. परमेश्वर ने प्रज्ज्वल रेवन्ना का पासपोर्ट रद्द करने के अनुरोध को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने शनिवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधा और पूछा कि जनता दल (सेक्युलर) के निलंबित नेता प्रज्ज्वल हासन के पासपोर्ट को रद्द करने के लिए अप्रैल में मुख्यमंत्री सिद्दरामैया द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे गए पत्र का क्या हुआ।

विदेश मंत्रालय द्वारा एक दिन पहले दिये गये बयान कि हासन के फरार सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना का राजनयिक पासपोर्ट रद्द करने का राज्य सरकार का अनुरोध उसे 21 मई को ही प्राप्त हुआ था, के बाद परमेश्वर की यह टिप्पणी सामने आई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के एक साक्षात्कार में दिये गये बयान कि उनके मंत्रालय को प्रज्ज्वल का पासपोर्ट रद्द करने का अनुरोध 21 मई को ही मिला है, पर टिप्पणी करते हुए परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने भी मीडिया रिपोर्ट देखी है। अगर उन्होंने (एस जयशंकर) ऐसा कहा है तो इसका मतलब यह है कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने विदेश मंत्रालय को इस बारे में जानकारी नहीं दी।

परमेश्वर ने पूछा, ''मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने अप्रैल में ही पत्र लिखा था और विदेश मंत्री का कहना है कि उन्हें यह 21 मई को मिला। प्रधानमंत्री कार्यालय में पत्र का क्या हुआ? क्या इसे उचित तरजीह नहीं मिली या क्या पीएमओ ने विदेश मंत्रालय को इस बारे में सूचित नहीं किया?'' उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, ''हम देख सकते हैं कि केंद्र सरकार कैसे काम कर रही है।''

कर्नाटक के गृह मंत्री ने कहा कि एक बार राजनयिक पासपोर्ट रद्द हो जाने पर, प्रज्ज्वल को भारत लौटना होगा क्योंकि वह विदेश में रहने की छूट खो देगा। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के पोते प्रज्ज्वल पर यौन शोषण का आरोप है और हासन के सांसद अपने निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होने के एक दिन बाद 27 अप्रैल को भारत से बाहर चले गये थे। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के माध्यम से एसआईटी के अनुरोध के बाद इंटरपोल द्वारा प्रज्ज्वल के ठिकाने के बारे में जानकारी मांगने वाला 'ब्लू कॉर्नर नोटिस' पहले ही जारी किया जा चुका है। निर्वाचित प्रतिनिधियों के लिए एक विशेष अदालत ने एसआईटी की ओर से दायर एक आवेदन के बाद प्रज्ज्वल के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया।

कर्नाटक में झड़प के बाद तीन लोग गिरफ्तार, भाजपा ने कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। उडुप्पी में एक गिरोह के सदस्यों के बीच हुई झड़प में कथित संलिप्तता के लिए तीन लोगों को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से घातक हथियार जब्त किये गये।

पुलिस ने यह जानकारी दी। उसके अनुसार 18 मई की रात में दो कारों में चार-चार लोग बैठे थे और उडुपी थानाक्षेत्र के कुंजीबेट्टू में वे सड़कों पर एक-दूसरे से उलझ गये। वे सभी 'गरुड़ गिरोह' से जुड़े थे।

पुलिस ने कहा कि इन लोगों ने संपत्ति संबंधी एक विवाद को 'निपटाने' के लिए एक दूसरे पर हथियारों पर हमला करने का प्रयास किया। सड़क पर भिड़ंत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया जिसके बाद पुलिस हरकत में आयी। उसने तीन व्यक्तियों-- आशिक, राकिब और साकलिन को गिरफ्तार किया। पुलिस ने चाकू एवं दो कारों को भी जब्त किया।

पुलिस अधीक्षक अरूण के. ने कहा, इस संबंध में उडुप्पी थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गयी है। हम इस घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों की तलाश कर रहे हैं जो फरार हैं। सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा है कि एक सफेद कार पीछे हट रही है और वहां से भागने से पहली भूरी कार में टक्कर मार रही है।

तब भूरी कार का एक व्यक्ति हथियार लहराते हुए उसके पीछे दौड़ता है। सफेद कार उसे टक्कर मारकर गिरा देती है और वह घायल हो जाता है।

भाजपा की कर्नाटक इकाई ने एक्स पर इस घटना का कथित वीडियो साझा किया तथा राज्य में कथित रूप से बिगड़ती कानून व्यवस्था' को लेकर सिद्दरामैया की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार की आलोचना की । उसने कांग्रेस फेल्स कर्नाटक' हैशटैग का इस्तेमाल किया।

भाजपा ने आरोप लगाया, कर्नाटक मॉडल गैंगवार, महिलाओं का बलात्कार, हमला, हत्या, बम विस्फोट, गांजा, अफीम , रेव पार्टी , पाकिस्तानी जिंदाबाद के नारे आदि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार में आम बातें हैं। पार्टी ने कहा, ''यह कर्नाटक मॉडल है जिसे कांग्रेस देश को दिखा रही है।''

बिटकॉइन घोटाला मामले में हैकर पर केसीओसीए के तहत मामला दर्ज

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। बिटकॉइन घोटाले की जांच कर रहे विशेष जांच दल ने हैकर श्रीकृष्ण उर्फ श्रीकी और रॉबिन खंडेलवाल पर कर्नाटक संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (केसीओसीए) के तहत मामला दर्ज किया है। आठ मई को 32 करोड़ रुपये मूल्य के बिटकॉइन चुराने में श्रीकी की भूमिका पाए जाने के बाद तुमकुरु पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। तुमकुरु में 32 करोड़ रुपये मूल्य के बिटकॉइन का लेनदेन हुआ था।

आपराधिक जांच दल ने एक बयान में कहा कि चूंकि श्रीकी और खंडेलवाल ऐसे कई मामलों में शामिल थे इसलिए यह निर्णय किया गया है कि उन पर केसीओसीए की धारा-3 के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए।

बिटकॉइन घोटाला पिछले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकाल के दौरान 2021 में सामने आया था और तब विपक्ष में रही कांग्रेस ने सरकार पर इस घोटाले को छुपाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। मुख्य संदिग्ध श्रीकृष्ण रमेश उर्फ ङ्कङ्घश्रीकी पर राज्य सरकार की ई-खरीद साइट को हैक करने और 11.5 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि हड़पने का आरोप है। इस मामले में क्रिप्टोकरेंसी चोरी, मादक पदार्थ तस्करी और साइबर धोखाधड़ी के भी आरोप लगाए गए हैं।

मुख्य संदिग्ध श्रीकी पर राज्य सरकार की ई-खरीद साइट को हैक करने और 11.5 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी करने का आरोप था। इस मामले में क्रिप्टोकरेंसी चोरी, मादक पदार्थ तस्करी और साइबर धोखाधड़ी के भी आरोप लगाए गए थे।

फ्लाइट टेस्ट कोर्स के अधिकारियों ने शानदार सफलता के साथ स्नातक उपाधि हासिल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। छियालीसवें फ्लाइट टेस्ट कोर्स के 12 टेस्ट पायलट और पांच फ्लाइट टेस्ट इंजीनियरों ने 48 सप्ताह के सख्त फ्लाइट टेस्ट कोर्स को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद बेंगलूरु में एयर फोर्स टेस्ट पायलट स्कूल (एएफटीपीएस) से स्नातक उपाधि हासिल की।

एएफटीपीएस विमान और सिस्टम परीक्षण प्रतिष्ठान (एएसटीई) का एक अभिन्न अंग है, जो सभी सेवाओं और डीआरडीओ के लिए टेस्ट पायलट और टेस्ट इंजीनियरों को प्रशिक्षित करता है। स्कूल के स्नातक सभी हवाई प्रणालियों, हथियारों और प्लेटफॉर्मों के मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार होते हैं और एयरो स्पेस डोमेन में 'आत्मनिर्भरता' की खोज में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने सभी स्नातक अधिकारियों को प्रमाणपत्र और मेधावी स्नातकों को ट्राफियां प्रदान कीं।

इस अवसर पर उन्होंने स्नातक अधिकारियों को याद दिलाया कि वे भारतीय सशस्त्र बलों के क्षमता निर्माण, आधुनिकीकरण और स्वदेशीकरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए पेशेवर क्षमता के महत्त्व पर जोर दिया कि विमान और सिस्टम सेवाओं की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। उन्होंने सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला, जिसे परीक्षण दल राष्ट्र के स्वदेशीकरण अभियान में निभा सकते हैं।

भारतीय नौसेना से एक और भारतीय थल सेना से एक सहित पासिंग आउट अधिकारी 'गौरवान्वित' के प्रतिष्ठित और विशिष्ट क्लब में शामिल होंगे, जिसमें 341 टेस्ट पायलट और 152 फ्लाइट टेस्ट इंजीनियर शामिल हैं, जो साल 1973 में इसकी स्थापना के बाद से एएफटीपीएस से पास आउट हो चुके हैं।सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड छात्र टेस्ट पायलट के लिए प्रतिष्ठित 'सुरंजन दास ट्रॉफी' स्क्वाड्रन लीडर अनुभव बेरवाल को प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ ऑल राउंड छात्र उड़ान परीक्षण इंजीनियर के लिए 'महाराजा हनुमंत सिंह तलवार' स्क्वाड्रन लीडर वी सुप्रिया को मिली।

प्रधानमंत्री के बिल मुद्दे का सौहार्दपूर्ण तरीके से निस्तारण का प्रयास करेंगे : वन मंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने शनिवार को कहा कि पिछले साल अप्रैल में प्रोजेक्ट टाइगर के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में मैसूरु पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आतिथ्य का बिल निस्तारण सौहार्दपूर्ण तरीके से किया जाएगा, जो 80 लाख रुपये का है। मीडिया में ये खबरें आने के बाद कि जिस होटल में प्रधानमंत्री रुके थे, उसने बकाया राशि वसूलने के लिए कानूनी रास्ता अपनाने की धमकी दी है, खांडरे ने कहा कि वह इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने की कोशिश करेंगे।

खांडरे के कार्यालय ने एक बयान में उनके हवाले से कहा, पिछले साल तीन दिवसीय कार्यक्रम की लागत 6.33 करोड़ रुपये थी। इसमें से तीन करोड़ रुपये प्राप्त हो चुके हैं और अभी भी एनटीसीए (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) पर 3.33 करोड़ रुपये बकाया है।

मंत्री ने कहा कि स्टार होटल में ठहरने का खर्च करीब 80 लाख रुपये था। उन्होंने कहा, जब अप्रैल 2023 में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था, तब विधानसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू थी और इसलिए राज्य सरकार इसमें शामिल नहीं थी। न ही राज्य के प्रतीक का उपयोग किया गया था।

तमिलनाडु पुलिस ने हिज्ब-उत-तहरीर के सदस्यों को गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अंतरराष्ट्रीय इस्लामी संगठन 'हिज्ब-उत-तहरीर' (एचयूटी) के छह सदस्यों को चुनाव कराये जाने एवं लोकतंत्र के खिलाफ दुष्प्रचार जैसी राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के लिए गिरफ्तार किया गया है। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किये गये व्यक्तियों में करीब पचास वर्षीय एक व्यक्ति, उसके दो बेटे और तीन अन्य लोग शामिल हैं जिनकी उम्र 26 से 33 वर्ष के बीच है। उन्होंने बताया कि उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लगाये गये हैं।

उन्होंने कहा, अखिल इस्लामी शासन या खिलाफत के लिए इस्लाम को मानने वालों से समर्थन प्राप्त करने की एक मामूली कवायद के रूप में शुरू हुई यह मुहिम बंद दरवाजों के पीछे होने वाली बैठकों में भाग लेने वालों की संख्या बढ़ने के साथ मजबूत होती दिखाई दी। वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, इस समूह को चुनाव, लोकतंत्र और मतदान प्रक्रिया में भागीदारी के खिलाफ उनके दुष्प्रचार के बाद गिरफ्तार किया गया और दुष्प्रचार का विषय यह था कि क्या चुनाव हराम (इस्लामी कानून द्वारा निषिद्ध) या हलाल (इस्लामी कानून के तहत वैध) हैं और फैसला यह था कि चुनाव और लोकतंत्र हराम हैं।

लोकतंत्र के खिलाफ एचयूटी के सदस्यों का एक तर्क यह था कि लोकतंत्र और कानून का शासन मानव निर्मित है और इसलिए परिवर्तन के अधीन है और परिपूर्ण नहीं है। हालांकि, ईश्वरीय कानून ऐसी श्रेणी में नहीं आता है और यह सर्वोच्च है। गिरफ्तार किए गए लोगों में हमीद हुसैन शामिल हैं, जिसके पास मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डॉक्टरेट की डिग्री है। वह 2021 तक विद्यालयों में इंजीनियरिंग पढ़ा रहा था। हुसैन के पिता अहमद मंसूर और भाई अब्दुल रहमान और तीन अन्य – मोहम्मद मौरिस, खादर नवाज शरीफ और अहमद अली – को भी पकड़ा गया। सभी छह लोग चेन्नई के मूल निवासी हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ कल कर्नाटक का दौरा करेंगे

बेंगलूरु। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ 27 मई को बेलगावी और बेंगलूरु का दौरा करेंगे। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति बेलगावी पहुंचेंगे। धनखड़ भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पारंपरिक चिकित्सा संस्थान (एनआईटीएम) के स्थापना दिवस और बेलगावी में केएलई विश्वविद्यालय के 14वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगे।

इसके बाद, धनखड़ सीएसआईआर-एनएएल बेंगलूरु परिसर का दौरा करेंगे और हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) के घटकों और सरस की प्रदर्शनी देखेंगे।

मुलाकात

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अपनी यात्रा के दौरान शनिवार को धर्मस्थला में धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े से मुलाकात की।

गूगल मानचित्र के भरोसे केरल यात्रा कर रहे पर्यटक समूह का वाहन पानी में डूबा

कोट्टायम (केरल)। कुरुप्पनथारा के पास एक जगह से दूसरी जगह की यात्रा के लिए गूगल मानचित्र (गूगल मैप) का उपयोग करने वाला हैदराबाद का एक पर्यटक समूह अपने वाहन समेत गहरे पानी में चला गया। पुलिस ने शनिवार को बताया कि पर्यटकों को तो बचा लिया गया है लेकिन उनका वाहन पानी में डूब गया है। घटना शुक्रवार देर रात की है जब एक महिला समेत चार सदस्यीय समूह अलाप्पुझा की ओर जा रहा था।

उन्होंने बताया कि जिस सड़क पर वे यात्रा कर रहे थे उसपर भारी बारिश के कारण काफी पानी एकत्र हो गया था।

हवालात में कथित आत्महत्या मामले में पूरा थाना लाइन हाजिर

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के ब्यावर जिले के जैतारण थाना क्षेत्र में अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी के हवालात में कथित तौर पर आत्महत्या करने के मामले में पूरा थाना लाइन हाजिर कर दिया गया है। ब्यावर जिला पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह चौधरी ने शनिवार को बताया कि मामले में थानाधिकारी सहित थाने के सभी पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर पुलिस लाइन भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया था। चौधरी ने बताया कि चावंडिया कलां गांव निवासी राकेश सीरवी (30) को बृहस्पतिवार को अपहरण और सामूहिक दुष्कर्म मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 376-डी, धारा 365 और धारा 342 के तहत गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि आरोपी ने बृहस्पतिवार देर रात थाने की हवालात में कंबल को काटकर उसका फंदा बनाया और उससे लटक कर कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात हमलावरों ने की सुरक्षाकर्मी की हत्या

जयपुर/दक्षिण भारत। जयपुर के बगरू थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात अज्ञात हमलावरों ने गोदाम के सुरक्षाकर्मी की कथित तौर पर हत्या कर दी।पुलिस ने यह जानकारी दी। सहायक पुलिस आयुक्त (बगरू) अमीर हसन ने बताया कि दूदू कस्बे का गणेश गुर्जर (27) एक गोदाम में सुरक्षाकर्मी के तौर पर काम करता था, उसका शव शनिवार सुबह मिला और सिर पर चोट के निशान पाये गये। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि बगरू थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है, मामले की जांच की जा रही है।

राजस्थान में करीब 34.97 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान पुलिस ने राज्य में नशाखोरी पर प्रभावी नियंत्रण एवं इसके उन्नमूलन के लिये 15 मई से शुरू किये गये विशेष अभियान के तहत अब तक 445 प्रकरणों में 476 लोगों को गिरफ्तार किया है तथा 14.58 लाख किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया है, जिसकी कीमत 34.97 करोड़ रुपये आंकी गयी है । प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने बताया कि इस विशेष अभियान के तहत अब तक प्रदेशभर में 445 प्रकरणों में 476 व्यक्तियों को गिरफ्तार करते हुए 34.97 करोड़ रुपये के मादक पदार्थों को जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत प्रदेश में 14.55 लाख किलोग्राम डोडा पोस्त, 1411 किलोग्राम डोडा, 197 किलोग्राम गांजा, 31 किलोग्राम गांजे के पौधे, 36 किलोग्राम अफीम, 9.7 किलोग्राम स्मैक, 3 किलोग्राम अफीम का दूध एवं 2.5 किलोग्राम हेरोइन सहित 7.96 किलोग्राम अन्य साइकॉट्रॉपिक पदार्थों की जब्ती की जा चुकी है।

मानव अंग एवं उत्तक प्रत्यारोपण के लिए सलाहकार समिति गठित

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर मानव अंग एवं प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत समुचित प्राधिकारी की सहायता एवं सलाह के लिये सलाहकार समिति का गठन किया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव इस समिति के अध्यक्ष तथा चिकित्सा शिक्षा आयुक्त सदस्य सचिव होंगे। समिति में कानून एवं कानूनी मामले विभाग के संयुक्त सचिव, एसएमएस मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक के अधीक्षक डॉ विनय मल्होत्रा, न्यूरोसर्जरी के सीनियर प्रोफेसर डॉ मनीष अग्रवाल, सेवानिवृत्त आरएएस अधिकारी ओपी गुप्ता, कोटा की डॉ नील प्रभा नाहर, मोहन फाउण्डेशन चेन्नई के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ सुनील श्रॉफ एवं कांवटिया अस्पताल जयपुर के प्रिंसिपल स्पेशलिस्ट डॉ दिनेश शर्मा सदस्य होंगे। कमेटी का कार्यकाल दो वर्ष का होगा, एवं इसका प्रशासनिक विभाग चिकित्सा शिक्षा विभाग (ग्रुप-1) होगा।

हनुमान मंदिर का ताला तोड़ नकदी सहित अन्य सामान चोरी

अलवर/दक्षिण भारत। राजस्थान में अलवर जिले राजगढ़-माचाडी सड़क मार्ग स्थित छाहर्रीन धाम हनुमान मंदिर का दान-पात्र का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने नकदी चुरा ली। पुलिस के अनुसार छाहर्रीन धाम विकास समिति के अध्यक्ष एवं महंत पं रामावतार शर्मा ने मामला दर्ज करवाया की छाहर्रीन धाम हनुमान मंदिर के दीवार में लगे दान-पात्र का ताला अज्ञात व्यक्तियों ने शुक्रवार की रात ताला तोड़ दान-पात्र में रखी राशि करीब 8-10 हजार रुपये को चुरा ले गये। रिपोर्ट में बताया कि दान-पात्र एक महीने में एक बार खोला जाता है, जिसमे कभी नौ हजार कभी 10 हजार की राशि निकलती है। इसे आरोपी तोड़कर निकाल ले गये। रिपोर्ट में कहा कि वे प्रतिदिन की तरह शनिवार को भी प्रातः पांच बजे पूजा करने गये तो पाया की दान-पात्र का ताला टूटा हुआ मिला, एवं दान-पात्र में कुछ नहीं मिला। पूर्व में भी मन्दिर के दान-पात्र के ताले टूटने की रिपोर्ट थाने में दर्ज करवाई थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मोदी ने पूरे चुनाव असल मुद्दों पर नहीं किया प्रचार : गहलोत

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर असल मुद्दों पर लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का आरोप लगाते हुए कहा है कि यह आश्चर्यजनक है कि प्रधानमंत्री ने पूरे चुनाव में असल मुद्दों महंगाई, बेरोजगारी एवं आर्थिक असमानता पर आधारित चुनाव प्रचार नहीं किया। गहलोत ने सोशल मीडया के माध्यम से शनिवार को यह बात कही। उन्होंने कहा मोदी को इस चुनाव में अपने दस साल की तथाकथित उपलब्धियों जैसे नोटबंदी, जीएसटी, अग्निवीर, कृषि कानून, पीएसयू के निजीकरण, सरकारी तानाशाही का विरोध करने वाले पत्रकारों और छात्र नेताओं पर एनएसए, पेट्रोल-डीजल सौ रुपए पार, गैस सिलेंडर 1100 रुपए पार करने, बैंक लोन की ईएमआई बढ़ाने आदि के नाम पर चुनाव प्रचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आखिर जनता को उन्हें अपनी इन उपलब्धियों को तो गिनाना चाहिए जिससे जनता इन्हें ध्यान में रखकर वोट दे।

युवती को बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म

अलवर/दक्षिण भारत। राजस्थान में अलवर जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र में एक युवती को बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस घटना के संदर्भ में पीड़िता के पिता ने गांव के ही तीन युवकों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म का मामला रामगढ़ थाने में दर्ज कराया है। पुलिस ने शुक्रवार देर रात सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। पीड़िता के पिता की ओर से दर्ज करायी गयी रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी पुत्री 21 मई को घर के पास बाडे. में लकड़ी लेने गयी थी, जहां पर उसकी पुत्री को अकेला देख गांव के ही तीन युवकों ने उसे दबोच लिया और एक युवक ने दुष्कर्म किया। बाद में उसकी पुत्री को अपने घर ले गये, वहां पर उसे बंधक बनाकर रखा। रिपोर्ट में कहा कि सुबह जब वह पुत्री को खोजते हुये आरोपियों के घर पहुंचे, तो उन पर शक गया। बंद कमरे को खुलवाकर देखा, तो उसमें उसकी पुत्री को बंधक बनाकर रखा गया था। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म एवं अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने पीड़िता युवती का जांच परीक्षण करवाया।

नौतपा शुरू होते ही बढ़े गर्मी के तेवर, फलौदी में पारा 50 पार, गर्मी से अब तक 13 मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भीषण गर्मी के चलते अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में फलौदी 50 डिग्री पार करके सबसे गर्म रहा। बीकानेर, कोटा, गंगानगर, जैसलमेर, बाड़मेर का तापमान 45 पार कर गया। मौसम विभाग ने अभी 2 डिग्री तापमान और बढ़ने की चेतावनी दी है। नौ तपा शुरू होने के साथ ही गर्मी के तेवरों में और इजाफा हो गया है। अब तक प्रदेश में गर्मी के कारण 13 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। कई जिलों में तापमान सामान्य से 2 डिग्री ऊपर दर्ज किया जा रहा है। शुक्रवार को प्रदेश में फलौदी सबसे गर्म रहा, यहां तापमान 49 डिग्री पहुंच गया। वहीं जोधपुर में 47 .6, गंगानगर 46.6, बीकानेर 45.8, बाड़मेर 48.2, जैसलमेर 48.3 तापमान दर्ज किया गया। अगले 72 घंटों में अधिकतम तापमान में और बढ़ोतरी होने की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। इस अवधि में जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर और कोटा संभाग में पारा 2 डिग्री तक बढ़ सकता।

मौसम विभाग की इस चेतावनी के बाद राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं को इमरजेंसी मोड पर डाल दिया गया है। अस्पतालों में लू की चपेट में आए मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में बिजली की खपत भी पीक पर पहुंच गई है। दिन के साथ-साथ रात का तापमान बढ़ने की वजह से ओवरलोडिंग के चलते जीएसएस फेल हो रहे हैं।

हीटवेव प्रबंधन में लापरवाही पर चिकित्सा शिक्षा विभाग का सख्त एक्शन

राज्य सरकार ने हीटवेव प्रबंधन को लेकर लगातार दिशा-निर्देश जारी करने के बावजूद चिकित्सा संस्थानों में समुचित प्रबंध नहीं करने पर सख्त एक्शन लिया है। अस्पतालों में हीटवेव प्रबंधन में खामियों को लेकर चिकित्सा महाविद्यालयों से सम्बद्ध अस्पतालों के 12 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि भारत सरकार ने इस बार अत्यधिक गर्मी रहने एवं हीटवेव का अलर्ट जारी किया था। इसके क्रम में प्रदेशभर के चिकित्सा संस्थानों को आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बाद भी कुछ चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव प्रबंधन को लेकर कमियां पाई गईं। इन अस्पतालों में कूलर, पंखे, एसी, वाटर कूलर सहित अन्य व्यवस्थाएं सुचारू नहीं पाई जाने पर संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर 3 दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सवाई मानसिंह अस्पताल में हीटवेव से बचाव के समुचित प्रबंध नहीं पाए जाने पर अतिरिक्त अधीक्षक एवं चिकित्सा प्रभारी अधिकारी विद्युत एवं यांत्रिकी डॉ. गिरीश चौहान, सहायक अभियंता सिविल श्रीमती मोनिका सैनी व श्रीमती अंजू माथुर, सहायक अभियंता इलेक्ट्रिकल सुनील कुमार मीणा तथा अस्पताल अभियंता रवि प्रकाश चौधरी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इसी प्रकार सीकर मेडिकल कॉलेज के एसके हॉस्पिटल, अजमेर मेडिकल कॉलेज के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल, पाली के बांगड अस्पताल, बीकानेर के जनाना अस्पताल, कोटा के एमबीएस अस्पताल, भरतपुर के जनाना अस्पताल एवं जयपुर के जनाना अस्पताल के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

राजस्थान सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग में शामिल मुस्लिम जातियों के आरक्षण की समीक्षा करेगी : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मंत्री अविनाश गहलोत का कहना है कि राज्य सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में शामिल मुस्लिम जातियों के आरक्षण की समीक्षा करेगी। राजस्थान के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि कांग्रेस ने तुष्टीकरण की राजनीति के तहत 1997 से 2013 तक मुस्लिम जातियों को ओबीसी आरक्षण दिया और अब इसकी समीक्षा की जाएगी। मंत्री ने कहा, बाबा साहेब आंबेडकर ने संविधान में लिखा था कि धर्म के आधार पर किसी भी जाति या वर्ग को आरक्षण का लाभ नहीं दिया जा सकता, लेकिन 1997 से 2013 तक कांग्रेस ने मुस्लिम जातियों को ओबीसी श्रेणी में शामिल किया।

उन्होंने एक वीडियो में कहा, हमारे पास परिपत्र भी हैं जिनकी आने वाले समय में विभाग और सरकार द्वारा निश्चित रूप से समीक्षा की जाएगी। मुस्लिमों की 14 जातियों को ओबीसी श्रेणी में शामिल किया गया है। हमारे पास शिकायतें हैं और विभाग सत्यापन करा रहा है, आने वाले समय में हम एक उच्च स्तरीय समिति बनाएंगे और देखेंगे कि क्या किया जा सकता है। संपर्क करने पर मंत्री ने कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना असंवैधानिक है इसलिए इसकी समीक्षा होनी चाहिए।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा केंद्र सरकार के काम का हिसाब देने के बजाय लोकसभा चुनाव में हार के डर से 'हिंदू-मुस्लिम' की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा, हार के डर से चाहे कितनी भी हिंदू-मुस्लिम की राजनीति कर लो, सरकार तो 'इंडिया' गठबंधन की ही बनेगी। जनता 10 साल का हिसाब मांग रही है, महंगाई, बेरोजगारी और कुशासन पर जवाब मांग रही है। एआईएमआईएम के राज्य महासचिव काशिफ जुबैरी ने कहा कि वह समीक्षा का विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा को किसी धर्म को निशाना बनाने वाले फैसले लेने के बजाय अपने चुनावी घोषणा पत्र की समीक्षा करनी चाहिए।

हीट वेव से राहत देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल की सरकार का एक्शन मोड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की लगातार मॉनिटरिंग में राज्य सरकार वर्तमान में जारी भीषण हीट वेव से आमजन को राहत प्रदान करने के लिए फुल एक्शन मोड में है। राजधानी जयपुर से लेकर जिलों तक आमजन को पर्याप्त बिजली और पानी उपलब्ध करवाने से लेकर, गर्मी और लू-जनित बीमारियों से राहत दिलाने के लिए सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारी कंटिजेन्सी प्लान को अमल में लाने लिए फील्ड में डटे हुए हैं। सीएम के निर्देश पर गर्मी की मार से गोवंश और पशुधन को राहत प्रदान करने के लिए भी माकूल प्रबंध किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को भी मुख्य सचिव सुधांश पंत से बात कर निर्देश दिए कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सभी डिस्कॉम सहित पशुपालन और गोपालन विभागों में निरंतर मॉनिटरिंग रखते हुए सक्रियता से कार्य किया जाए और तत्काल कार्यवाही करते हुए राहत प्रदान की जाए। उन्होंने प्रदेश में आमजन से लेकर पशुधन को गर्मी से राहत दिलाने के लिए सभी विभागों को उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिये। शर्मा ने कहा कि प्राथमिकता से भीषण गर्मी और लू-प्रकोप संबंधी प्रबंधन कार्यां को समय से पूरा करें एवं इनकी निरंतर समीक्षा भी करें।

मुख्यमंत्री शर्मा ने प्रचण्ड गर्मी के हालात को देखते हुए आमजन से अपील की है कि लू के प्रकोप से बचने के लिए विशेषकर बच्चे और बुजुर्ग दोपहर में बाहर निकलने से परहेज करें। हीटवेव से बचाव के लिए चिकित्सकीय एडवाइजरी का पालन करें। उन्होंने बिजली और पानी का भी समझदारी पूर्वक उपयोग करने की अपील की है ताकि अधिक मांग के समय बिजली ट्रिपिंग जैसी घटनाओं के कारण परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने मौसमी बीमारियों एवं हीटवेव संबंधी व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं। वहीं, अस्पतालों में मरीजों के लिए कूलर, एसी, वाटर कूलर, दवा आदि से संबंधित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। प्रदेश के जिला अस्पताल से लेकर सामुदायिक केन्द्रों पर गेप एनालिसिस करते हुए व्यवस्थाएं दुरूस्त की।

ढाई साल के मासूम को पीटा फिर कर दी हत्या, एक महीने बाद मां को भेजा वीडियो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान को कोटा में ढाई साल के मासूम के साथ मारपीट करने और गला दबाकर उसकी हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी राहुल पारिक को गिरफ्तार कर लिया है। मासूम के पिता की शिकायत के बाद पुलिस ने शनिवार को शव को कब्र से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम करवाया। जानकारी के मुताबिक आरोपी का मासूम मां से प्रेम प्रसंग चल रहा था। लेकिन उसको शक था की महिला उसे धोखा दे रही है। इसका बदला उसने मासूम को मारकर लिया। वहीं विज्ञान नगर थाना पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। एससी एसटी सेल के डिप्टी हरिराम सोनी ने बताया कि शुक्रवार को बच्चे के पिता राकेश मेहरा ने अपने बेटे अंश की हत्या की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इसमें पिता ने राहुल पारिक नाम के युवक पर हत्या कर आरोप लगाया था। आरोपों की जांच करने पर सामने आया कि हत्या के दिन के वीडियो और फोटो आरोपी ने बच्चे की मां खुशबु को भेज दिए। इसके बाद महिला ने अपने पति को सारी बात बताई और थाने में मामसा दर्ज करवाया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पुछताछ की तो उसने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।

पुलिस पुछताछ में आरोपी ने बताया कि वो खुशबू के घर पर जनवरी में भंडारे के प्रोग्राम में गया था। वहां उसकी पहचान खुशबू से हो गई। इसके बाद दोनों एक दूसरे के संपर्क में आए और ससुराल आने के बाद भी आपस में मिलते रहते थे। खुशबू जब घर से जाती थी तो अपने बेटे अंश को राहुल के पास देखभाल के लिए सौंपकर जाती थी। राहुल को लगने लगा कि खुशबू का किसी और से प्रेम संबंध चल रहा है। इसको लेकर आरोपी काफी नाराज रहने लगा था। मासूम की हत्या के कुछ दिन पहले भी खुशबू घर से तबीयत ठीक नहीं होने का बहाना कर बच्चे को लेकर निकली थी और विज्ञान नगर फ्लाईओवर के नीचे उसने अंश को राहुल को दे दिया और कहा मैं आधे घंटे में काम निपटा कर आती हूं। पुलिस ने बताया कि हत्या वाले दिन आरोपी मासूम बच्चे अंश को लेकर बोरखड़ा स्थित अपनी दुकान पर ले गया और पहले मासूम के साथ मारपीट की और बाद में गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

आरोपी पर किसी को शक न हो इसके लिए वो खुद ही मासूम को लेकर जेके लोन अस्पताल पहुंच गया और एक्सीडेंट की झूठी कहानी रच दी। परिजनों ने मामले में पुलिस कार्रवाई से मना कर दिया था और अगले दिन 16 अप्रैल को अंश को छावनी स्थित मुक्तिधाम में दफना दिया गया। लेकिन कुछ दिन पहले आरोपी ने हत्या का वीडियो और फोटो महिला को भेज दिए।

भीषण गर्मी में बिजली-पानी भी नहीं दे पा रही सरकार : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार भीषण गर्मी के बावजूद प्रदेश वासियों को बिजली एवं पेयजल उपलब्ध नहीं करवा पा रही है, जिस कारण प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में लोग मीलों चलकर पीने का पानी ला रहे है तथा शहर वासी भारी राशि खर्च कर पानी के टैंकर खरीद कर अपनी प्यास बुझा रहे हैं। वहीं सरकार की अनदेखी के कारण प्रदेश में भीषण बिजली संकट उत्पन्न हो गया है तथा सरकार द्वारा अघोषित रूप से दो से चार घंटे की बिजली कटौती प्रदेश की राजधानी में की जा रही है। वहीं प्रदेश के अन्य शहरों व ग्रामीण इलाकों में कई घंटे तक बिजली के अभाव में जनता गर्मी से परेशान हो रही है। प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि एक और प्रदेश की जनता बिजली कटौती एवं पेयजल की सप्लाई न होने से त्रस्त है दूसरी ओर प्रदेश के मुख्यमंत्री इस संकट को दूर करने हेतु समस्या का समाधान खोजने की बजाय दूसरे प्रदेशों में जाकर चुनाव प्रचार करने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के विधायक, नेता एवं मंत्री पत्र लिखकर अपने-अपने क्षेत्रों में पानी एवं बिजली की सप्लाई निर्बाध रूप से करवाने की मांग मुख्यमंत्री से कर रहे हैं किन्तु मुख्यमंत्री, जलदाय मंत्री एवं ऊर्जा मंत्री किसी प्रकार का कोई निर्णय लेते हुए अथवा समाधान खोजते हुए नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पूरी सरकार प्रशासनिक अधिकारियों के भरोसे ही चल रही है तथा भाजपा नेता त्रस्त जनता को अपने हाल पर छोड़ अन्य प्रदेशों में चुनाव प्रचार में मस्त हैं। प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा ने कहा कि मौसम विभाग ने महिनों पहले प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ने का पुर्वानुमान बताया था किन्तु राजस्थान सरकार ने प्रदेशवासियों को सुचारू बिजली सप्लाई हेतु कोई कार्ययोजना नहीं बनायी, जिसका परिणाम है कि प्रदेश में उपभोक्ताओं के लिए 600 लाख यूनिट प्रतिदिन बिजली की कम सप्लाई हो रही है तथा प्रदेशवासियों को इस भीषण गर्मी में घण्टों अघोषित बिजली कटौती का सामना कर परेशानी उठानी पड़ रही है। गर्मियों में पेयजल की उपलब्धता बनाये रखने हेतु वृहद्ध कार्य योजना बनाया जाना आवश्यक होता है किन्तु राजस्थान सरकार 100 दिवस की कार्य योजना के नाम पर स्वयं की पीठ थपथपा रही थी किन्तु आज भीषण गर्मी में पेयजल के संकट का सामना कर रही प्रदेश की जनता के सामने भाजपा सरकार की पोल खुल गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में या तो कम दबाव के साथ पेयजल सप्लाई हो रही है अथवा प्रदेशवासी महंगे दाम पर टैंकरों से पेयजल सप्लाई लेकर अथवा ग्रामीण क्षेत्रों में दूरस्थ स्थानों से पैदल जाकर पेयजल लाने हेतु मजबूर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भीषण गर्मी के मौसम में बिजली एवं पेयजल संकट के लिए राजस्थान की भाजपा सरकार पूर्णतया जिम्मेदार है।

उपभोक्ता की शिकायत सुनकर सहायक अभियन्ता को सूचित करे

जयपुर/दक्षिण भारत । प्रदेश में हीटवेव के बढते प्रभाव को देखते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार विद्युत आपूर्ति व अन्य तकनीकी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के साथ ही सर्किल स्तर पर स्थापित कन्ट्रोल रुम पर उपभोक्ताओं की शिकायतों को दर्ज कराने व उनके समाधान की व्यवस्था की हुई है। इन पर दर्ज शिकायतों का त्वरित निस्तारण भी किया जा रहा है फिर भी कुछ स्थानों से प्राप्त सूचना के अनुसार सर्किल स्तर पर स्थापित कन्ट्रोल रुम में बैठने वाले कर्मचारी व अभियन्ता शिकायत दर्ज करने के स्थान पर उपभोक्ता को कॉल सेन्टर के नम्बर या सम्बन्धित कनिश्ठ अभियन्ता/सहायक अभियन्ता के मोबाइल नम्बर देकर बात करने के लिए कह देते है। अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए इस तरह की कार्य प्रणाली को गम्भीरता से लेते हुए सर्किल स्तर पर कार्यरत कन्ट्रोल रुम में उपभोक्ताओं की कॉल अटेण्ड करने वाले सभी कर्मचारियों और अभियन्ताओं को सख्त निर्देश प्रदान किए हैं। आलोक ने निर्देश दिए हैं कि उपभोक्ता द्वारा कॉल करने पर उसकी शिकायत को दर्ज कर स्वंय के द्वारा ही डिस्कॉम स्तर के कॉल सेन्टर व सम्बन्धित सहायक अभियन्ता/ कनिष्ठ अभियन्ता को सूचित किया जाए।

अनिरुद्ध द्वारा भरतपुर राज परिवार का निकास करौली यदुवंशी राजपुतों से बताना गलत : मील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान जाट महासभा के अध्यक्ष राजा राम मील ने पूर्व मंत्री विश्वेन्द्र सिंह के पुत्र अनिरूद्ध सिंह द्वारा भरतपुर राज परिवार का निकास करौली के यदुवंशी राजपूतों से होना बताने की कड़ी निंदा करते हुए इसे सरासर गलत बताया है।

मील ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि इतिहासकार ''ज्ञात वंश'' कुंवर रिसाल सिंह यादव, अंग्रेज लेखक इलियट भाग-तीन, कालिका रंजन कानूनगो के हिस्ट्री ऑफ द जाट्स, भरतपुर का इतिहास के लेखक रामवीर सिंह वर्मा आदि गणमान्य ग्रन्थों के आधार पर श्रीकृष्ण से लेकर भरतपुर के अन्तिम नरेश तक भरतपुर राजपरिवार यदुवंशीय जाट क्षत्रिय है। यदुवंश की वंशावली से ज्ञात होता है कि तहनपाल के कई पुत्र थे, जिनमें ज्येष्ठ पुत्र धर्मपाल से करौली और उसके तीसरे पुत्र मदनपाल से भरतपुर जाट राजवंश के सिनसिनवार एवं सोगरिया परिवार निकले है। करौली का राजपरिवार जादोन राजपूत कहे जाते है और भरतपुर का राजपरिवार जाट। भरतपुर राजपरिवार का निकास करौली से नहीं बल्कि करौली राजपरिवार का निकास भरतपुर के यदुवंशीय जाटों से है।

उन्होंने कहा कि भरतपुर के महाराजा किशन सिंह ने वर्ष 1925 में पुष्कर में हुए अखिल भारतवर्षीय जाट महासभा के सम्मेलन में (जिनका शिलालेख में नाम दर्ज है) अपने अध्यक्षीय भाषण कहा था मैं भी राजस्थान का एक निवासी हूँ। मेरा दृढ़ निश्चय है कि यदि हम योग्य हो तो कोई शक्ति संसार में ऐसी नही है जो हमारा अपमान कर सके। मुझे इस बात का भारी अभिमान है कि मेरा जन्म जाट जाति में हुआ है। हमारी जाति की शूरता के चरित्रों के इतिहास में पन्ने के पन्ने भरे पड़े है। मैं विश्वास करता हूँ कि शीघ्र ही हमारी जाट जाति की यश पताका संसार भर में फहराने लगेगी।

भरतपुर राजवंश के महाराजा सूरजमल से लेकर अन्तिम शासक महाराजा वृजेन्द्र सिंह ने अनेक अवसरों पर कहा कि वे जाट है एवं गत वर्ष चार जनवरी को राजस्थान के प्रमुख समाचार पत्रों में वक्तव्य जारी कर पूर्व महाराजा विश्वेन्द्र सिंह ने पैधोर चामड़ मन्दिर पर आयोजित पंचायत में स्पष्ट कहा था कि उनके पूर्वज जाट थे, जाट है और जाट ही रहेंगे। सिंह पिछले वर्ष पांच मार्च को जयपुर में आयोजित जाट महाकुंभ में भी सम्मिलित हुए।

मील ने कहा कि ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत एवं अपने पूर्वजों के विरूद्ध अनिरूद्ध सिंह का आचरण मानसिक दिवालिया पन का प्रतीक लग रहा है और यह आचरण भरतपुर के महान जाट शासकों की प्रतिष्ठा और ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत तो है ही उन्होंने अपने पिता एवं जाट समाज के गौरव विश्वेन्द्र सिंह के विरूद्ध भी घोर निन्दनीय व्यवहार किया है।

सेना के जवानों के लिए 'वन रैंक, वन पेंशन' तब लागू हुई, जब मोदी आया : प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजीपुर (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पूर्ववर्ती सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि काम लटकाने और हक मारने में तो कांग्रेस को महारत हासिल है और इन्होंने हमारी सेना के वीर जवानों को 'वन रैंक, वन पेंशन' तक नहीं मिलने दिया। उन्होंने कहा कि सेना के जवानों के लिए 'वन रैंक, वन पेंशन' तब लागू हुई, जब मोदी आया। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को गाजीपुर में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

गाजीपुर को सैनिकों की धरती बताते हुए मोदी ने कहा, ''गाजीपुर की धरती पराक्रम और शौर्य की गाथाएं बताती है। गाजीपुर की परंपरा और यहां का गमहर गांव... ये नाम ही काफी है, जहां हर घर से जांबाज निकलते हों... ये गौरव गाजीपुर के अलावा किसी को मिला है क्या... पूरा देश इस मिट्टी का ऋणी है।'' सैनिको की धरती गाजीपुर में 'वन रैंक, वन पेंशन' को लेकर पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर हमला करते हुए मोदी ने कहा, ''काम लटकाने और हक मारने में तो कांग्रेस को महारत हासिल है। इन्होंने हमारी सेना के वीर जवानों को 'वन रैंक, वन पेंशन' तक नही मिलने दी। 'वन रैंक, वन पेंशन' तब लागू हुई जब मोदी आया। कांग्रेस ने हमारी सेना के जवानों के साथ उनकी तपस्या का कैसे मखौल उड़ाया था, उनकी आंखों में कैसे धूल झोंकी थी, उनको मूर्ख बनाने का भरपूर प्रयास किया था।'' उन्होंने कहा, ''जब 2013 में भारतीय जनता पार्टी ने मुझे प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया, उसके बाद मेरी पहली रैली हरियाणा के रेवाड़ी में हुई और वहां मैने कहा था कि मैं 'वन रैंक, वन पेंशन' लागू करूंगा। कांग्रेस वाले घबरा गए कि मोदी ने घोषणा कर दी, अब क्या करें? उन्होंने आनन-फानन में हर एक की आंख में धूल झोंक कर बजट में 500 करोड़ रुपया डाल दिया और लिख दिया 'वन रैंक, वन पेंशन' करेंगे। फिर देश भर में पूर्व सैनिकों के सम्मेलन किये, जहां कांग्रेस के 'शाहजादे' ने 'वन रैंक, वन पेंशन' का राग अलापा।'' उन्होंने कहा, ''जब आपने मुझे प्रधानमंत्री के रूप में सेवा करने का अवसर दिया और मैंने पहले ही इस काम को लिया तो मैं यह देखकर चौंक गया कि इन्होंने कैसे सेना के साथ गद्दारी की थी।

उन्होंने (कांग्रेस) 500 करोड़ रुपया लिखकर के 'वन रैंक, वन पेंशन' का दिखावा किया। मैने कहा कि मैं तो 'वन रैंक, वन पेंशन' लागू करना चाहता हूं।'' मोदी ने कहा, ''आप जानकर हैरान हो जायेंगे कि 'वन रैंक, वन पेंशन' लागू करने में अब तक सवा लाख करोड़ रूपये पूर्व सैनिकों के खाते में जमा करा दिये गये हैं। अब कोई मुझे बताए कि सवा लाख करोड़ रुपये की जरूरत और उसके सामने पांच सौ करोड़ रुपये का नाटक। यह धोखा है या नहीं? यह बेईमानी और पूर्व सैनिकों का अपमान है।''

निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव हुआ तो भाजपा सत्ता से बाहर हो जाएगी : मायावती

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार को दावा किया कि अगर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुआ तो भाजपा और उनके सहयोगी सत्ता से बाहर हो जाएंगे।

बसपा प्रमुख मायावती ने गोरखपुर लोकसभा क्षेत्र के बसपा उम्मीदवार जावेद सिमनानी के समर्थन में आयोजित चुनावी रैली में कहा, ''जैसे लंबे समय तक सत्ता में रही कांग्रेस अपनी गलत नीतियों के कारण देश और राज्यों में सत्ता से बाहर हो गयी, उसी तरह भाजपा भी सत्ता से बाहर हो जाएगी बशर्ते निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव हो और वोटिंग मशीन में कोई गड़बड़ी न हो।''

मायावती ने समाजवादी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उसने बसपा सरकार में बहुजन नेताओं के नाम पर रखे गए जिलों के नाम बदल दिए।

उन्होंने कहा, ''जब सपा सत्ता में थी तो उसने उन जिलों और संस्थानों के नाम बदल दिए जो हमने अपने संतों और गुरुओं के नाम पर बनाए थे। इससे इन संतों और गुरुओं के प्रति उनकी (सपा की) बुरी मंशा का पता चलता है।''

ओडिशा को कैद से आजाद कराने के लिए भाजपा को वोट दें : स्मृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने ओडिशा के भविष्य को बीजू जनता दल (बीजद) की ''कैद'' से आजाद कराने के लिए लोगों से भाजपा को वोट देने का आग्रह किया।

जगतसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र के कुजांग में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ईरानी ने कहा, ''यह चर्चा है कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक को अपनी बात कहने और अन्य से मिलने की आजादी नहीं है। पूरा बीजद नेतृत्व कैद में है। एक जून को कमल (भाजपा का चुनाव चिह्न) का बटन दबाकर इस बंधन से ओडिशा के भविष्य को आजाद करें।'' उन्होंने ऐलान किया कि सत्ता में आने पर, भाजपा एक उड़िया मुख्यमंत्री नियुक्त करेगी। ईरानी ने आरोप लगाया कि बीजद नेता 32,000 करोड़ रुपये के चिटफंड घोटाले, 60,000 करोड़ रुपये के खनन घोटाले में संलिप्त हैं और इन्हें चुनाव में टिकट देने को लेकर राज्य के सत्तारूढ़ दल की आलोचना की।

केंद्रीय मंत्री ने पूछा, ''ओडिशा कब तक यह सब सहन करेगा।'' भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि बीजद सरकार ने राज्य में भूमि, कोयला, रेत और खनन माफिया को संरक्षण दिया है। उन्होंने दावा कि ओडिशा के मंत्री, विधायक और तमिलनाडु से नियंत्रण कर रहे लोग राज्य के संसाधनों की लूट-खसोट कर रहे हैं।

तीरंदाजी विश्व कप : भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने स्वर्ण जीता, मिश्रित टीम को रजत

येचियोन (दक्षिण कोरिया)/भाषा । ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी की भारतीय तिकड़ी ने शनिवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप में महिला कंपाउंड वर्ग में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता जबकि मिश्रित टीम को रजत पदक मिला । दुनिया की नंबर एक भारतीय टीम ने तुर्की की हेजल बुरून, एइसे बेरा सुजेर और बेगम युवा की टीम को 232 . 226 से हराकर एक भी सेट गंवाये बिना पहला स्थान हासिल किया। एशियाई खेल चैम्पियन ज्योति हालांकि दूसरा स्वर्ण नहीं जीत सकी और प्रियांश के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अमेरिका की ओलिविया डीन और सायेर सुलिवान की जोड़ी से 155 . 153 से हार गई । ज्योति, परनीत और विश्व चैम्पियन अदिति ने विश्व कप स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई । उन्होंने पिछले महीने शंघाई में विश्व कप के पहले चरण में इटली को हराकर स्वर्ण जीता था । वहीं पिछले साल पेरिस में चौथे चरण में भी स्वर्ण हासिल किया था ।

अदिति ने अपनी निरंतरता पर कहा, ''यह अविश्वसनीय है, हम अपने प्रदर्शन में काफी निरतंर हैं लेकिन मैचों के दौरान हम सिर्फ अपने निशाने पर फोकस रखते हैं ताकि अपनी टीम के लिए पदक जीत सकें। '' कंपाउंड महिला टीम फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने पहले दौर में सेंटर के पास तीन एक्स के साथ आगाज किया और अगले तीन तीरों पर एक एक अंक ही गंवाया । छह तीर के दूसरे दौर में भारत ने पांच परफेक्ट 10 और दो एक्स तथा एक 9 के स्कोर के साथ बढत चार अंक की कर ली । तीसरे दौर में तुर्की ने चार 10, एक एक्स लगातार वापसी की पूरी कोशिश की लेकिन भारत के पाच चार अंक की बढत थी । भारत ने एक बार फिर तीन 10 और एक एक्स के साथ 58 स्कोर करके जीत दर्ज की ।

'इंडि' गठबंधन 272 के आंकड़े से आगे निकला, 350 सीट जीतने की ओर : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान संपन्न होने के बाद शनिवार को दावा किया कि अब भाजपा की सत्ता से विदाई तय हो गई है तथा 'इंडि' गठबंधन 272 के आंकड़े को पार करने के बाद अब 350 से अधिक सीट जीतने की तरफ अग्रसर है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि हवा के रुख को भांपते हुए प्रधानमंत्री ने ''सेवानिवृत्ति योजना' पर विचार करना शुरू कर दिया है।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज छठे चरण का चुनाव ख़त्म हो गया। अबतक 486 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। अब, जब निवर्तमान प्रधानमंत्री ने अपनी सेवानिवृत्ति योजना पर विचार करना शुरू कर दिया है, तब 2024 के लोकसभा चुनाव की स्थिति बिलकुल स्पष्ट है।'' उन्होंने दावा किया, ''भाजपा का (सत्ता से) जाना तय है। यह स्पष्ट हो गया है कि वे दक्षिण में साफ़ और उत्तर, पश्चिम एवं पूरब में 'हाफ़' हो रहे हैं।''

कांग्रेस नेता के अनुसार, ''पहले चरण के बाद से 'इंडि गठबंधन' लगातार मजबूत हुआ है। महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, बिहार और आज दिल्ली में मतदान के बाद, हम गठबंधन के सहयोगियों के बीच एक अविश्वसनीय समन्वय देख रहे हैं।

इंडिया जनबंधन पहले ही 272 सीटों के आंकड़े को पार कर चुका है और कुल मिलाकर 350 से अधिक सीटें जीतने की ओर बढ़ रहा है। देश के मतदाता निवर्तमान प्रधानमंत्री के विश्वासघात और चालाकी को समझ चुके हैं।'' रमेश ने दावा किया, ''निवर्तमान प्रधानमंत्री के पास अपनी सेवानिवृत्ति योजना बनाने के लिए अतिरिक्त समय है, क्योंकि भाजपा का अभियान जल्द ही समाप्त हो रहा है।

गाजियाबाद में महिलाओं के शौचालय में कैमरा लगाने के आरोप में पुजारी के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजियाबाद (उप्र)/भाषा। गाजियाबाद पुलिस ने यहां महिलाओं के एक शौचालय में कथित तौर पर कैमरा लगाने के आरोप में मंदिर के पुजारी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। शौचालय की छत नहीं थी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक उक्त मंदिर मुरादनगर गंग नहर के निकट स्थित है। आमतौर पर लोग नहर में डुबकी लगाने के बाद पूजा-अर्चना करते हैं। पुलिस ने बताया कि मामला तब सामने आया जब 21 मई को अपनी बेटी के साथ मंदिर गई एक महिला ने शौचालय की ओर लगे सीसीटीवी कैमरे को देखा। पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण) विवेक चंद्र यादव ने कहा, महिला ने देखा कि ऊपर लगा सीसीटीवी कैमरा उस कमरे पर केंद्रित था जहां महिलाएं कपड़े बदलती हैं।

यादव ने कहा, सीसीटीवी महंत के मोबाइल फोन से जुड़ा था, जिस पर वह महिलाओं को देखता था। उन्होंने बताया कि महिला ने तुरंत महंत गोस्वामी से संपर्क किया और सीसीटीवी कैमरे के बारे में पूछा जिस पर नाराज हो गया और उसने महिला के साथ अभद्रता की। यादव ने कहा कि पुजारी ने महिला को कैमरे के बारे में किसी को बताने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। डीसीपी ने कहा, शिकायत मिलने के बाद मुरादनगर पुलिस ने शुक्रवार को प्राथमिकी दर्ज की। जब पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने के लिए मंदिर पहुंची तो वह वहां नहीं था। पुलिस ने महंत के खिलाफ भदंसं की धारा 354 (महिला पर आपराधिक हमला), 354 सी (निजी कार्य में लगी महिलाओं को देखना या उनकी छवि लेना), 504 (जानबूझकर अपमान करना) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच की जा रही है।

मतदान

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने रांची में जेवीएम श्यामली स्कूल में मतदान केंद्र पर वोट डाला। धोनी दोपहर को अपनी पत्नी साक्षी, पिता पान सिंह और मां देवकी देवी के साथ जेवीएम श्यामली पहुंचे, जहां उन्होंने स्कूली शिक्षा प्राप्त की थी।

परिवार के मुखिया को आंखों की शर्म नहीं खोनी चाहिए : प्रियंका का मोदी पर पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाद्रा ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार में दिये गये भाषण पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि परिवार के मुखिया को कभी आंखों की शर्म नहीं खोनी चाहिए।

गोरखपुर में सपा प्रमुख अखिलेश यादव की मौजूदगी में 'इंडिया' गठबंधन की गोरखपुर की उम्मीदवार काजल निषाद और बांसगांव संसदीय क्षेत्र के उम्मीदवार सदल प्रसाद के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने भोजपुरी में ''रऊवा सभे के राम-राम'' बोलकर भीड़ का अभिवादन किया। उन्होंने बिहार की एक चुनावी सभा में प्रधानमंत्री मोदी के दिये गये भाषण का जिक्र करते हुए कहा, ''मोदी जी ने बिहार में भाषण दिया और विपक्ष के नेताओं के लिए ऐसे-ऐसे शब्द बोले जो देश के इतिहास में किसी प्रधानमंत्री ने नहीं बोले होंगे।'' कांग्रेस महासचिव ने प्रसिद्ध संत बाबा गोरखनाथ की एक रचना 'मन में रहिबा, भेद न करिबा बोलबा अमृतवाणी...'' सुनाते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री पद का पूरा देश आदर करता है, हम भी आदर करते हैं।'' उन्होंने जनता से सवाल करते हुए कहा, ''आपकी आस्था, आपकी आशाएं, मोदी जी से एक समय में जुड़ी थीं, लेकिन क्या प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वह पद की गरिमा रखें, पद की मर्यादा रखें।'' कांग्रेस नेता ने तंज किया, ''आज जिस-जिस तरह से वह (मोदी) बोल रहे हैं, अफसोस की बात ये है कि उनकी असलियत दिखाई देने लगी है।''

प्रधानमंत्री को सीधे लक्ष्य करते हुए कांग्रेस महासचिव ने कहा, ''मोदी जी आप देश के प्रधानमंत्री हैं, इतनी भी अपनी असलियत मत दिखाइए। आपने देश को अपना परिवार कहा है, देश आपके परिवार समान है।'' नसीहत भरे अंदाज में प्रियंका ने कहा, ''परिवार का जो मुखिया होता है, हमेशा परिवार के सदस्यों की एक दूसरे के प्रति आंखों की एक शर्म होती है, वह नहीं खोनी चाहिए, वह हमेशा रखनी चाहिए।''

बिहार की आठ लोकसभा सीटों पर 55.45% मतदान

पटना/भाषा। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में बिहार की आठ सीटों के करीब 1.5 करोड़ मतदाताओं में से करीब 55.45 प्रतिशत ने शनिवार की शाम छह बजे तक अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एच.आर. श्रीनिवास ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के आठ संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों - वाल्मिकीनगर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, वैशाली, गोपालगंज, सीवान और महाराजगंज में शनिवार की शाम छह बजे तक सम्पन्न मतदान के दौरान करीब 55.45 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि इन सीटों पर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और सुचारू रूप से मतदान संपन्न कराए जाने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा 1487 मतदान केंद्र बनाये गए थे। श्रीनिवास ने बताया कि इन आठ लोकसभा सीटों - वाल्मिकीनगर, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर, वैशाली, गोपालगंज, सीवान और महाराजगंज में शाम छह बजे तक क्रमशः 58.25%, 59.75%, 57.30%, 56.30%, 58.50%, 50.70%, 52.50% और 51.27% मतदाताओं ने मताधिकार का प्रयोग किया है।

भाजपा हिंसा फैला रही है, तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या हुई : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हरोआ (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पूर्वी मेदिनीपुर जिले में आतंक का राज फैलाने और तृणमूल कांग्रेस के एक कार्यकर्ता की हत्या करने का आरोप लगाया।

पूर्वी मेदिनीपुर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी का गढ़ माना जाता है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख बनर्जी ने छठे चरण के चुनाव के दिन बशीरहाट लोकसभा सीट के अंतर्गत हरोआ में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए ये आरोप लगाए। बनर्जी ने कहा, ''कल भी उन्होंने (भाजपा ने) पूर्वी मेदिनीपुर जिले के महिषादल में हमारी पार्टी के एक सक्रिय सदस्य की हत्या कर दी। चुनाव में आसन्न हार के चलते वे लोगों और टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमला और हत्या कर रहे हैं। लेकिन हम उनके प्रयास का प्रतिरोध करेंगे।'' दो दिन पहले पूर्वी मेदिनीपुर जिले के नंदीग्राम में कई घरों और दुकानों में आग लगा दी गई थी, जब भाजपा की महिला सदस्य की हत्या कर दी गई थी और उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया था। महिला का बेटा क्षेत्र में भाजपा के एससी/एसटी मोर्चा का नेता है। नंदीग्राम के भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया था कि हमले में टीएमसी के गुंडे शामिल थे, लेकिन टीएमसी नेताओं ने कहा कि यह भाजपा के भीतर अंदरूनी कलह का नतीजा है। बनर्जी ने रैली में शामिल न होने के लिए टीएमसी की एक विधायक पर भी निशाना साधा और उन पर भाजपा के संपर्क में रहने का आरोप लगाया। उन्होंने विधायक का नाम लेते हुए कहा, यदि विधायक 25 मई को हमारी सभा में शामिल नहीं होती है, तो उसका हमसे कोई संबंध नहीं रहेगा।

त्रिपुरा: गरीबी से जूझ रही आदिवासी महिला ने नवजात बच्ची को बेचा

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के धलाई जिले में पांच महीने पहले पति के गुजर जाने के बाद अत्यंत निर्धनता से जूझ रही एक आदिवासी महिला ने अपनी नवजात बच्ची को 5000 रुपये में बेच दिया। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि सौभाग्य से विपक्ष के नेता जितेंद्र चौधरी के हस्तक्षेप के बाद जिले के हेजामारा के एक दंपति से चार दिन की इस बच्ची को वापस लेकर मां को सौंप दिया गया।

उपसंभागीय मजिस्ट्रेट अरिंदम दास ने बताया कि गंदाचेर्रा उपसंभाग में ताराबन कॉलोनी की मोरमति त्रिपुरा (39) ने बुधवार को अपने घर में एक बेटी को जन्म दिया था। उन्होंने कहा कि अगले ही दिन महिला ने पांच महीने पहले पति के गुजर जाने का हवाला देते हुए बच्ची को हेजामारा के एक दंपति को 5000 रुपये में बेच दिया।

दास ने कहा, पहले से ही दो बेटों एवं एक बेटी के भरण-पोषण का खर्च उठा रही महिला बदतर आर्थिक स्थिति के कारण एक और बच्चे का खर्च वहन करने में सक्षम नहीं थी।

किसी न किसी समय हर चीज का अंत होता है : कमिंस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। बतौर कप्तान शीर्ष स्तर पर सफलता का स्वाद चख चुके पैट कमिंस रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब जीतकर एक और उपलब्धि अपने नाम करने के करीब खड़े हैं लेकिन आस्ट्रेलियाई कप्तान जानता है कि हर अच्छी चीज का अंत होता है। पिछले साल से कमिंस का सफर शानदार रहा है जिसमें उन्होंने आस्ट्रेलिया को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और वनडे विश्व कप में सफलता दिलायी।

वह रविवार को आईपीएल 2024 फाइनल में पूर्व चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद की अगुआई करेंगे और टीम को दूसरा खिताब दिलाने की कोशिश करेंगे। कमिंस ने आईपीएल फाइनल की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, ''खिताब जीतना शानदार होगा लेकिन यह सफर किसी न किसी समय समाप्त होगा। '' उन्होंने कहा, ''ये दो साल शानदार रहे हैं लेकिन इस श्रृंखला से पहले मैंने किसी टी20 क्रिकेट टीम की अगुआई नहीं की है। इसलिये मैं निश्चित नहीं हूं कि क्या उम्मीद करूं। यह प्रारूप काफी तेज रफ्तार वाला होता है। ''

टूर्नामेंट के इस सत्र में अपनी टीम के प्रदर्शन का आकलन करते हुए कमिंस ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण को श्रेय दिया। उन्होंने कहा, ''हमारा गेंदबाजी लाइन अप काफी अनुभवी है, जिसमें जयदेव उनादकट और भुवनेश्वर कुमार शामिल हैं। साथ ही काफी युवाओं ने भी हमें अपने दम पर मैच में जीत दिलायी है जिसमें नितीश रेड्डी और अभिषेक शर्मा शामिल हैं। ''

कमिंस ने कहा, ''हमारे पास ऐसे भी खिलाड़ी हैं जो भारतीय टीम से बाहर रहे हैं लेकिन वे हमारे लिए शानदार रहे हैं। हमारी टीम का अभी तक का सफर यही रहा है। ''

सिंधू मलेशिया मास्टर्स खिताब से एक कदम दूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर/भाषा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू ने शनिवार को यहां थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ पिछड़ने के बाद शानदार जीत दर्ज करते हुए 4,20,000 डॉलर (लगभग 3.49 करोड़ रुपये) पुरस्कार राशि वाले मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

पिछले दो साल से एक भी खिताब जीतने में नाकाम रही पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 88 मिनट तक चले मैराथन मुकाबले में दुनिया की 20वें नंबर की बुसानन के खिलाफ 13-21, 21-16, 21-12 से जीत हासिल की। सिंधू ने इस जीत के बाद कहा, ''अभी एक और मैच बाकी है और जब मैं उसे जीतूंगी तो शायद मुझे अधिक खुशी मिलेगी। मुझे लगता है कि मैं खुश हूं कि आज यह वास्तव में अच्छा हुआ। इस तरह की जीत से निश्चित रूप से मुझे काफी आत्मविश्वास मिलता है।'' सिंधू ने इससे पहले 2022 सिंगापुर ओपन को अपने नाम करने में सफल रही थी और पिछले साल मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में उपविजेता रही थी। यह बुसानन पर 19 मैचों में उनकी 18वीं जीत थी। बुसानन ने सिंधू को सिर्फ एक बार 2019 हांगकांग ओपन में शिकस्त दी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुविचार

जिंदगी भी विडियो गेम की तरह हो गई है, एक लेवल क्रॉस करो तो, अगला लेवल और मुश्किल आ जाता है।

ट्वीट

भाजपा के प्रति महिलाओं का जो झुकाव है, उसका कारण है कि भाजपा ने मातृ शक्ति पर विशेष बल दिया है। उसके पीछे वोट बैंक नहीं है, बल्कि इरादा है कि भारत की विकास यात्रा में अगर ये 50 प्रतिशत शक्ति जुड़ जाती है, तो तेजी से देश आगे बढ़ेगा।

-नरेन्द्र मोदी

कांग्रेस के राज में पानी और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए भी तरस रहा था देश, तो वहीं हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में न सिर्फ मूलभूत सुविधाएं मिली, बल्कि अब हम विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

-कंगना रानौत

कहानी

इला प्रसाद

मेज

जब घर पूरी तरह व्यवस्थित हो गया और उसके बाद भी हम यह तय नहीं कर पाए कि इस छोटी काठ की चौकी को कहाँ रखें तो अंततः हमने उसे आँगन में निकाल दिया। आँगन में मेज सहित चार कुर्सियाँ पहले से पड़ी थीं इसलिए वस्तुतः उसका वहाँ होना भी निरर्थक ही था। किंतु, थोड़े समय के लिए हमने उससे एक तरह से मुक्ति पा ली। भारत होता तो शायद वह चौकी हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीज होती, सत्यनारायण कथा में उपयोग में आती और घर के बाहर न होकर पूजा की वस्तु बनती। लेकिन परिवेश की भिन्नता के साथ चीजों के मायने भी बदल जाते हैं और यही इस चौकी के साथ भी हुआ। अमेरिका के कालीन बिछे घर में, जहाँ आप सत्यनारायण कथा जैसे आयोजनों की कल्पना भी नहीं कर सकते और सारे पर्व-त्योहार मंदिरों में या अन्य सार्वजनिक स्थलों में मनाए जाते हैं, इस चौकी की सत्ता अर्थहीन थी।

मेरे इस निर्णय को किसी ने चुनौती नहीं दी। किंतु, बाहर खुले में रहकर, धूप- बारिश झेलकर अतंत वह टूटकर खत्म हो जाएगी, यह एहसास हर किसी को था।

'ठीक है सुधा, इसे पेंट कर दो।' सचिन ने कहा।

पेंट कर देने के बाद यह बैठने के लायक हो जाएगी और जब चार से पाँच लोग जुटेंगे तो कोई इस चौकी का उपयोग बैठने के लिए कर लेगा, यह समझ में आने वाली बात थी। मैंने स्वीकार लिया। कोई उपयोग होगा तो यह हमें भी फालतू नहीं लगेगी।

जब मैंने उसे घर में पड़े हरे रंग के वार्निश से पेंट कर डाला तो सचिन ने माथा ठोंक लिया।

'मैंने सोचा था, तुम इसे कायदे से पेंट करोगी। कोई अल्पना जैसा डिजाइन बना दोगी कि यह खूबसूरत लगे। तुमने तो इसे और बेकार कर डाला।'

मैंने इतना सोचा ही नहीं था। पेंट इसलिए करना था कि धूप-बारिश में सड़ न जाए, टूट न जाए। पेंट रक्षा कवच था बस। उसका सौंदर्य से क्या संबंध?

लेकिन सचिन को हर चीज में सलीका, कायदा और सौंदर्य चाहिए था सो उनकी अवहेलना भरी दृष्टि अब बार-बार चौकी पर पड़ती और घूमकर मुझ पर टिक जाती।

'इस पर कोई गमला रख देते हैं। वो पीले फूलों वाला। या एक प्लास्टिक का मेजपोश डाल दूँ? अच्छा लगेगा। कभी बाहर बैठकर अखबार पढ़ने हों तो इस पर रख सकते हैं।' मैं सुझाव देती।

सचिन के चेहरे का भाव यथावत। उन्हीं गर्मियों में एक नील पंछी के जोड़े ने हमारे आँगन के सामने वाले पेड़ पर बैठना शुरू किया।

बहुत सुंदर होते हैं नील पंछी। उनकी भी कई प्रजातियाँ होती हैं। ह्यूस्टन में जो प्रजाति दिखती है, उसका नाम ब्लू जे है और यह आकार में बड़ा और काले, सफेद नीले रंगों के धब्बे वाले पंखों का बहुत ही खूबसूरत पक्षी होता है। गले में एक कालापन लिए नीली धारी होती है और सही अर्थों में नीलकंठ शायद इसे ही कहा जाना चाहिए।

वह हमारे मैदान में उतरता तो नीले रंगों की आभा एक छोर से दूसरे छोर तक बिखर जाती। किंतु यह होना कुछ क्षणों का होता। बेहद डरपोक वह, वापस किसी पेड़ पर गायब हो जाता।

मैंने किताबों में पढ़ा। उसे पानी में खेलना पसंद है।

हमें लगा अब चौकी काम में आने वाली है।

'इस पर एक कठौत पानी भर कर रख देते हैं। ब्लू बर्ड नहाएगी।'

यह क्रांतिकारी विचार सचिन को भी पसंद आया।

किंतु डरपोक ब्लू बर्ड ऊपर से गुजर जाती। आँगन में उतरे बिना।

हमने कई दिन इंतजार किया। फिर एक लोहे के स्टूल पर मैदान के बीच, दूर में पानी का कठौत रखा। और लो, नीली चिड़िया का पानी में खेलना शुरू हो गया। वह अपने मोरपंखी पंखों को छितरा कर जब-तब पानी में उतर आती। पानी पीती, पंखों को फैला पानी में छपछपाती और हम निहाल होते।

चौकी अपनी जगह पड़ी रही। उसकी ऊँचाई कम थी। घास के मैदान में लकड़ी जल्द ही सड़ जाती और हम अभी तक उसको लेकर किसी फैसले तक नहीं पहुँच पाए थे।

गर्मियाँ बीतीं, पतझड़ आया। चौकी पर अक्सर ही पीले-भूरे पत्तों का ढेर जमा हो जाता। मैं जब अँगने में बैठती, पहले चौकी साफ करती। धूल झाड़ती। किसी काम की तो है नहीं, बस काम बढ़ा दिया। इससे तो अच्छा, यह न होती।

लेकिन नई-सी दिखती, मजबूत चौकी को फेंकना भी गवारा न था हमें। हम बस उसे झेल रहे थे। ह्यूस्टन में पतझड़ और बारिश एक साथ होते हैं। धार-धार पानी बरसता। जल्दी ही नई दिखने वाली चौकी का रंग-रोगन उतरने लगा।

टूट जाए तो फेंक दूँ - मैं मन ही मन सोचने लगी। शायद कुछ ऐसा ही सचिन भी सोचते होंगे क्योंकि जब वह आँगन में उतरते तो एक ठोकर मार कर देखते। तसल्ली करते होंगे कि बेकार हो गई क्या!

पतझड़ के बाद ठंड उतरी।

आम तौर पर यहाँ इतनी ठंड नहीं पड़ती लेकिन इस साल पड़ी। पत्तों पर बारिश की बूँदें बर्फ की झालर बनाने लगीं। चौकी का रंग और खराब हुआ। हरा वार्निश जगह- जगह से उतर गया था और काठ का रंग नजर आने लगा था। वह अब हमारी दृष्टि से ही नहीं मन से भी उतर रही थी। दूसरी ओर ब्लू बर्ड के लिए हमारा आकर्षण बढ़ता जा रहा था।

सर्दियों के बाद जब वसंत आया तो ब्लू बर्ड ही नहीं, कार्डिनल, अमेरिकन राबिन, कठफोड़वा अदि कई पक्षियों के दर्शन होने लगे।

'इनके लिए दाना डालेंगे।' मेरा मन मचला। 'दाना खाएँगे तो देर तक हमारे करीब रहेंगे। आजकल एक लाल फिंच भी आने लगी है।' मैंने सचिन को बतलाया। सचिन पहले तो मेरे इस बचपने पर हँसे, फिर सारा दिन मैं घर में अकेली रहती हूँ तो मन लगेगा, यह सोचकर मेरे साथ बाजार जाकर बर्ड फीडर और उनका दाना साथ-साथ ले आए।

पक्षियों ने हमारे इस निर्णय का स्वागत किया। बस ब्लू बर्ड दूर-दूर रहती। गहरी असंतुष्ट नजरों से वह दूर से देखती, कभी पानी पीती और फिर फुर्र हो जाती। हाँ, गौरैयों की संख्या बढ़ती जा रही थी। एक समस्या और आई।

गिलहरी को हमारा बर्ड फीडर पसंद आ गया था। वह चुपके से आकर ढक्कन खोल पक्षियों का दाना खा जाती।

अब हमारे काम में बर्ड फीडर की चौकसी करना और शामिल हो गया। दिन- दुपहर अब मैं आँगन के सामने, कमरे में परदे की आड़ में बैठने लगी। गिलहरी जिस गति से खा रही थी वह बहुत ज्यादा थी और हमारे बजट में पक्षियों के लिए इतनी जगह नहीं थी।

कभी-कभी लाल फिंच आकर पुकारती। हम समझ जाते। दाना या तो खत्म हो गया या फिर गिलहरी ने खा डाला है।

इन्हीं दिनों एक दिन मूसलाधार पानी बरसा।

छुट्टी का दिन। सचिन घर पर ही थे। वरना ऐसी बारिश में निकलना चिंता का सबब होता है। तमाम व्यवस्था के बावजूद सड़कों पर पानी भर जाता है। एक्सीडेंट होते हैं और बाढ़ की स्थिति भी आती रहती है। यह दीगर बात है कि ऐसी स्थिति देर तक बनी नहीं रहती और बारिश थमते ही कुछ घंटों में स्थिति ठीक हो जाती है।

लेकिन तब, जब बारिश थमे। कई बार बारिश थमने का नाम नहीं लेती। आज ऐसा ही था।

'फिंच कई बार पुकार चुकी। आप कब दाना डालेंगे उसके लिए?' मैंने हँसकर सचिन से कहा।

सचिन सोच में पड़े खिड़की से बारिश देखते रहे।

'नहीं, बर्ड फीडर में डालना मुश्किल है। पूरा ही भीग जाऊँगा। रुको, मैं छाता लेकर चौकी पर दाने बिखरा आता हूँ।'

मैंने उन्हें अविश्वास से देखा।

लेकिन वे दृढ़ थे। कुछ बोलना बेकार।

वे गए और ढेर सारे दाने चौकी पर बिखरा आए।

कुछ समय बीता। सामने पेड़ पर तीन नील पंछी बैठे थे।

'देखो, तीन हैं।' मैं बेहद खुश हो आई। लगता है अब तक जो ये पक्षी हमारे दाने को अनदेखा कर रहे थे, वह इसीलिए। मैंने पढ़ा है। गौरैया ब्लू बर्ड के अंडे खा जाती है। हमने उन्हें दाना खिलाकर ब्लू बर्ड की सहायता की है। इसीलिए वह दूर से देखती थी और अब अपने बच्चे के साथ हाजिर है। उत्तेजित मैं सचिन को लगभग खोंचते हुए खिड़की के पास ले आई।

धीरे से वे पक्षी चौकी पर उतर आए।

'यह इनकी डायनिंग टेबल है। आराम से खाएँगे।' सचिन मुसकराए। और सचमुच अगले कुछ ही मिनटों में ढेर सारी गौरैया, लाल फिंच का जोड़ा, पंडुक, मैना, कौवा और कबूतर मेज पर फैलकर एक दूसरे से लड़ते-झगड़ते खाना खा रहे थे।

'पार्टी देर तक चलेगी। चलो इन्हें खाने दो।' सचिन ने कहा और हँसते हुए मुझे अंदर ले गए।

हमें वह बदरंग हो आई, अधटूटी चौकी आज बहुत अच्छी लग रही थी। अब वह मेज थी, चौकी नहीं।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

उल्टे पैरों की यात्रा

घर की बालकनी में रखें पौधों में नियमित रूप से पानी डालता हूँ। असीम धरती छुड़वाकर गमले की थोड़ी-सी मिट्टी में इन्हें हम लाए हैं। भरण-पोषण के लिए ये अब हम पर निर्भर हैं। ऐसे में इन्हें समुचित जल, खाद आदि उपलब्ध कराना हमारा धर्म हो जाता है।

गमलों के नीचे प्लेट रखी हुई हैं। गमले से बहकर पानी प्लेट में जमा हो जाता है। जब कभी पौधे को आवश्यकता नहीं होती, तब सीधे प्लेट में पानी भर देता हूँ। इसके चलते पक्षी पानी पी सकते हैं।

इस नियमितता के अनेक लाभ हुए हैं। जब कभी मैं पात्र में जल लेकर बालकनी में पहुँचता हूँ तो मुंडेर या सामने के पेड़ों पर बैठे कबूतरों को प्रतीक्षारत पाता हूँ। मुझे देखते ही कुछ यहाँ से वहाँ उड़ने लगते हैं तो कुछ फड़फड़ाने लगते हैं। पौधों में जल डालते समय कुछ निकट आकर देखते हैं कि जल नीचे प्लेट तक पहुँचा या नहीं। उल्लेखनीय संख्या में कबूतर पानी पीने आते हैं। उनमें से कुछ तो इतना हिल-मिल गए हैं कि साथ के पौधे में पानी डाला जा रहा हो, उनके पंख को हाथ छू जाए तो भी उड़ते नहीं। हमारा फ्लैट ऊँचाई पर होने, ग्रिल के चलते मिलती सुरक्षा और बागबान के इरादे समझ चुकने के बाद वे निश्चिंत होकर पानी पीने लगे हैं। उन्हें आकंठ तृप्त होते देखना सचमुच सुखद है।

एक नकचढ़ा कौआ भी है। मैं सामान्यतः सुबह साढ़े आठ बजे पौधों में पानी डालता हूँ। यदि पौने नौ बज गए तो वह ग्रिल पर बैठकर काँव-काँव मचा देता है। मानो याद दिला रहा हो या कर्कश स्वर में अपना नाराज़गी प्रकट कर रहा हो।

जब मैं जल लेकर पहुँचता हूँ तो अपनी बड़ी-बड़ी आँखों से मुझे क्रोध से देखता है। पानी पीने के बाद भी वह दो-तीन बार काँव-काँव करता है। अलबत्ता दोनों काँव-काँव के स्वर और भाव में अंतर है। तृप्त होने हो जाने के बाद फिर से एक बार अपनी बड़ी-बड़ी आँखों से मुझे देखता है और उड़ जाता है।

हाँ, ततैयों का एक समूह भी है। संभव है कि परिवार हो। चार या पाँच ततैया एक साथ आते हैं। कई बार चेहरे के आसपास मंडरा रहे होते हैं पर काटा कभी नहीं। पानी डालने के बाद अपने पसंदीदा पौधे की प्लेट के किनारे बैठते हैं। एक बार चारों ओर देखते हैं, फिर झुक कर पानी पीते हैं। पानी पीने के बाद एक बार फिर चारों ओर देखते हैं और उड़ जाते हैं।

इसी तरह भौंरों का पनघट भी यही है। लम्बी पूँछ वाले कुछ रंग-बिरंगे चीड़े-चिड़िया भी अपने प्रजनन काल में यहीं डेरा डालते हैं। कभी-कभार गौरैया भी दर्शन दे जाती है।

प्रकृति सामासिक है, प्रकृति समन्वय चाहती है। इस समन्वय को कोयल के अंडे सेनेवाली मादा कौआ जानती है, समझती है, निभाती है। अन्य अनेक प्राणियों के भी ऐसे उदाहरण हैं। सब मिलकर प्रकृति की सामासिक शृंखला में अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

इस निर्वाह का सबसे बड़ा दायित्व मनुष्य पर है। दुखद है कि एक समय समन्वयक की भूमिका निभानेवाला मनुष्य, अब प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्य से दूर होता जा रहा है। उसकी यात्रा उल्टे पैरों से होने लगी है।

कुआँ, पेड़,
गाय, साँप,
सब की रक्षा को
अड़ जाता था,
प्रकृति को माँ-जाई
और धरती को
माँ कहता था..,
अब कुआँ, पेड़,
सब रौंद दिए,
प्रकृति का चीर हरता है,
धरती का सौदा करता है,
आदिमपन से आधुनिकता
उत्क्रांति कहलाती है,
जाने क्यों मुझे यह
उल्टे पैरों की यात्रा लगती है!

इस यात्रा को सही दिशा देना और अपनी भूमिका का समुचित निर्वहन करना हर मनुष्य से वांछनीय है।

सच्चे साथी

एक बार की बात है राधा नाम की एक लड़की अपने पिता के साथ रहती थी। उसकी माँ बचपन में ही गुजर गयी थी। वह अपने घर का काम करती फिर कॉलेज जाती थी। कॉलेज जाते समय वह रोज़ रास्ते में एक जगह पक्षियों को दाना डालती थी। उसके घर में भी 2 पक्षी थे उनको भी वह रोज़ दाना डालती थी। एक दिन उसको पक्षियों को दाना डालते जमींदार के बेटे ने देख लिया। उसने अपने पिता से जाकर राधा से शादी करने की इच्छा जताई। जमींदार ने राधा के पिता से बात करके अपने बेटे की शादी राधा से करा दी। राधा अपने साथ घर के पिंजरे के 2 पक्षी भी लेकर ससुराल आ गयी। वह उन पक्षियों को रोज़ दाना डालती थी। राधा की सास को यह बिलकुल भी पसंद नहीं था।

वह उन पक्षियों को परेशान करती थी। वह उनका दाना पानी जमीन में फेंक देती थी। एक दिन राधा की सास ने पक्षियों का पिंजरा ही जमीन पर फेंक दिया। उसे यह करते हुए राधा ने देख लिया।

राधा ने मना किया तो उसकी सास ने राधा को ही डॉट दिया। इन सब बातों से राधा परेशान रहने लगी। एक दिन राधा के पति ने परेशानी का कारण पूछा तो उसने सारी बात बता दी। उसके पति ने राधा को पक्षियों की भलाई के लिए उनको पार्क में छोड़ने की सलाह दी। अपने पति के कहने पर राधा ने उन दोनों पक्षियों को बाकि के पक्षियों के साथ पार्क में ही छोड़ दिया। वह उनको कभी कभी दाना देने पार्क में जाती थी। अब सभी पार्क के पक्षी राधा के अच्छे मित्र बन गए थे। पक्षी अब राधा के घर पर भी आने लगे। राधा की सास को जब यह पता लगा तो वह गुस्सा हुई। वह राधा को उसके मायके छोड़ने के लिए उसको साथ लेकर गयी।

रास्ते में कुछ चोरों ने राधा की सास के गहने चुराने की कोशिश की। तभी राधा के पक्षियों ने आकर चोरों पर हमला किया। जिससे चोर भाग गए। इसके बाद राधा और उसकी सास घर ही लौट आये। अब राधा की सास की सोच पक्षियों के प्रति बदल चुकी थी। उसने राधा से कहा की अब हम दोनों चिड़ियाँ को दाना देने चला करेंगे और पहले के दो पक्षियों को घर वापिस लेकर आएंगे। यह बात सुनकर राधा बहुत खुश हुई।

वीर गाथा

सिपाही धर्माराम बेनीवालः दो गोलियां लगीं, फिर जान पर खेलकर लश्कर कमांडर को कर दिया ढेर

सिपाही धर्माराम बेनीवाल का जन्म 21 दिसंबर, 1983 को राजस्थान के बाड़मेर जिले में स्थित तारातरा गांव में हुआ था। माता अमरू देवी और पिता गंगाराम बेनीवाल के बहादुर बेटे धर्माराम जुलाई 2003 में सेना में भर्ती हुए थे। उन्हें महार रेजिमेंट में शामिल किया गया था।

सिपाही धर्माराम साल 2015 में अपनी यूनिट 1 आरआर के साथ जम्मू-कश्मीर के कुलगाम सेक्टर में तैनात थे। वहां सेना के जवान लगातार गश्त कर रहे थे, ताकि आतंकवादियों की हर हरकत को नाकाम किया जा सके। सिपाही धर्माराम 25 मई को मेजर सान्याल द्वारा कुलगाम जिले के कांजीकुल गांव की ओर शुरू की गई गश्त में जवानों के साथ गए थे। दोपहर करीब एक बजे एक मकान से गश्ती दल की ओर भारी गोलीबारी की गई।

सिपाही धर्माराम तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए आगे बढ़े और उस जगह को निशाना बनाते हुए गोलियां चलाईं, जहां से जवानों की ओर गोलीबारी हो रही थी। इस दौरान सिपाही धर्माराम को दो गोलियां लगीं, लेकिन वे आगे बढ़ते रहे। वे अद्भुत पराक्रम दिखाते हुए उस जगह पहुंच गए और आतंकवादी को गंभीर रूप से घायल कर दिया।

कुछ समय बाद वह आतंकवादी ढेर हो गया। जब उसकी पहचान की गई तो वह लश्कर-ए-तैयबा का जिला कमांडर निकला। उसका खात्मा सुरक्षा बलों के लिए बड़ी कामयाबी थी।

इस कामयाबी को मुमकिन बनाने वाले धर्माराम वीरगति को प्राप्त हो गए। सिपाही धर्माराम ने वीरता और बलिदान की जो मिसाल कायम की, उसे देश नमन करता है। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

बोध कथा

सोने का अंडा

बहुत पहले की बात है एक गांव में अली नाम का एक व्यक्ति रहता था। उसके माँ बाप बचपन में ही गुजर चुके थे। वह खेतों में काम करके अपना गुजारा बड़ी मुश्किल से करता था। उसके पास एक मुर्गी थी। जो उसको रोज़ एक अंडा देती थी। जब उसके पास कभी खाने के लिए कुछ नहीं होता तो वह रात को अपनी मुर्गी का अंडा खा कर ही सो जाता था। उसके पड़ोस में एक बासा नाम का एक व्यक्ति रहता था। जो की सही व्यक्ति नहीं था। जब उसने देखा की अली अपना गुजारा सही से कर रहा है तो उसने एक दिन अली की मुर्गी चुरा ली। जब अली घर पर नहीं था। इसके बाद बासा मुर्गी को मार कर पका कर खा गया। जब अली घर आया और उसने घर पर मुर्गी को नहीं देखा तो इधर उधर अपनी मुर्गी को ढूंढने लगा। उसने मुर्गी के कुछ पंख बासा के घर के बाहर देखे। उसने बासा से बात की तो बासा ने कहा की उसकी बिल्ली एक मुर्गी को पकड़ कर लायी थी। मैंने उसको पका कर खा लिया। मुझे क्या पता था वह तुम्हारी मुर्गी है।

अली ने बासा से कहा की वह इसकी शिकायत न्यायाधिकारी से करेगा। यह बात सुनकर बासा ने मुर्गी की जगह अली को एक छोटा बत्तख दिया। अली ने उस बत्तख को पाला जिससे कुछ दिनों बाद वह बत्तख बड़ा हो गया और अंडा देने लगा। एक रात को जब बहुत बारिश आ रही थी। एक साधू भीगता हुआ रहने की जगह मांगने के लिए बासा के घर पहुंचा। लेकिन बासा ने उसको मना कर दिया। इसके बाद वह अली के घर गया। अली ने उसको रहने के लिए जगह दी और खाना भी खिलाया। अगली सुबह वह अली के घर से जाने लगा लेकिन जाते हुए उसने अली के बत्तख के सिर पर हाथ फेरा। इसके बाद जब बत्तख ने अंडा दिया तो वह सोने का था। अली यह देखकर बहुत खुश हुआ।

अब बतख़ जब भी अंडा देता तो वह सोने का होता था। सोने के अंडे को बेचकर अली की सारी गरीबी दूर हो गयी। लेकिन फिर भी वह साधारण जिंदगी ही जीता था। एक दिन बासा ने बत्तख को सोने का अंडा देते हुए देख लिया और वह न्यायाधिकारी के पास गया। वह न्यायाधिकारी से बोला की अली ने कल मेरा बतख चुरा लिया है। जब न्याय अधिकारी ने अली से पूछा तो उसने सारी बात बताई की किस तरह बासा ने ही उसको बत्तख दिया था। न्यायाधिकारी ने कहा की मै कल इसका फैसला करूँगा की बत्तख किसको मिलेगा। बत्तख ने रोज़ की तरह न्यायाधिकारी के पास भी सोने का अंडा दिया। अगले दिन न्यायाधिकारी ने दोनों को सामान्य अंडा दिखाया और कहा की यह कल तुम्हारे बत्तख ने दिया है। अलग पूछने पर अली ने न्यायाधिकारी को सच बताया की उसकी बतख सोने का अंडा देती थी। जबकि बासा ने कहा की उसकी बत्तख सामान्य अंडा देती है। न्यायाधिकारी ने एक नया बतख लेकर बासा को दे दिया। और अली को सोने का अंडा देने वाली बतख दी। अली दोबारा सोने का अंडा देने वाली बत्तख पा कर खुश हुआ।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घोषणा

हैदराबाद में अभिनेत्री अमीक्षा, अर्पिता, श्रेया और फैशन प्रेमी शनिवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स में हिलिफ़ प्रदर्शनी के भव्य फैशन शोकेस और तारीख की घोषणा कार्यक्रम में।

बछेन्द्री पाल ने माउंट एवरेस्ट पर्वतारोहण की 40वीं वर्षगांठ मनायी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू। माउंट एवरेस्ट फतह करने वाली पहली भारतीय महिला पर्वतारोही बछेन्द्री पाल ने अपने पर्वतारोहण की 40वीं वर्षगांठ एवरेस्ट आधार शिविर पर मनायी और कहा कि दूसरों को प्रेरित करने का यह मौका पाकर वह आह्लादित एवं धन्य महसूस कर रही हैं। वहीं, नेपाली पर्वतारोही और छाया पत्रकार पूर्णिमा श्रेष्ठ ने शनिवार को इतिहास रचा। वह एक पर्वतारोहण सीजन में तीन बार माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाली पहली पर्वतारोही बन गई हैं। पाल ने नामचे बाजार में शुक्रवार को अपना 71 वां जन्मदिन भी मनाया। इस मौके पर 81 वर्षीय ब्रिगेडियर दर्शन कुमार खुल्लर भी आधार शिविर पहुंचे। अधिक उम्र के बावजूद कुमार पाल को आशीर्वाद देने के लिए दुर्गम चढ़ाई तय कर वहां पहुंचे। खुल्लर ने 1984 में दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8848.86 मीटर ऊंची) के ऐतिहासिक पर्वतारोहण की अगुवाई की थी। तब वह दार्जिलिंग में 'हिमालयन माउंटेनरिंग इंस्टीट्यूट' के प्राचार्य थे। माउंट एवरेस्ट पर 1984 में किये गये इस पर्वतारोहण को 'फिर से जीने' और इस अभियान के 40 साल बीत जाने का जश्न मनाने का विचार कुछ महीने पहले आया और यह तय किया गया कि 1984 की टीम से इस वर्षगांठ में जो भी जुड़ना चाहते, उन्हें इसका निमंत्रण दिया जाए।

पद्म भूषण से सम्मानित पाल ने 2008 में बिमला नेगी-देवस्कर के साथ मिलकर 'वानी', 'वूमेन एडवेंचर नेटवर्क ऑफ इंडिया' बनायी। बिमला 1993 के पर्वतारोहण दल में शामिल थी। इस पर्वतारोहण की अगुवाई पाल ने की थी और कई रिकार्ड बनाये थे। शीघ्र ही इस समूह में 40, 50 और 60 साल के आसपास की महिलाएं जुड़ीं। इस बीच, शनिवार को नेपाली पर्वतारोही और छाया पत्रकार पूर्णिमा श्रेष्ठ ने एक पर्वतारोहण सीजन में तीन बार माउंट एवरेस्ट को फतह करने का रिकार्ड बनाया। वह यह कारनामा करने वाली पहली पर्वतारोही हैं। इस सीजन में उन्होंने पहली बार 12 मई को माउंट एवरेस्ट को फतह किया था। इसके बाद 19 मई को पसांग शेरपा के साथ इस चोटी पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की। तीसरी बार उन्होंने शनिवार को प्रात: पांच बजकर 50 मिनट पर यह सफलता हासिल की।

'ऐट के एक्सपडिशन' के अभियान निदेशक पेम्बा शेरपा ने यह जानकारी दी। इसी संगठन ने पर्वतारोहण का आयोजन किया था। यह पूर्णिमा की एवरेस्ट की चौथी चढ़ाई थी। वह पहली बार 2018 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ी थीं। पर्वतारोही निमा डोमा शेरपा ने कहा, पर्वतारोहण के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि किसी पर्वतारोही ने एक ही सीजन में तीन बार एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की है।

नरेन्द्र मोदी भारत के इतिहास में 'सबसे बड़े बहुमत' से चुनाव जीतेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

न्यूयॉर्क। भारत-अमेरिका संबंधों के विशेषज्ञ रॉन सोमर्स का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 2024 का लोकसभा चुनाव भारत के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े बहुमत से जीतेंगे। 'इंडिया फर्स्ट ग्रुप' के संस्थापक और अग्रणी बिजनेस एडवोकेसी ग्रुप यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआईबीसी) के पूर्व अध्यक्ष रॉन सोमर्स ने कहा कि जब चार जून को लोकसभा चुनाव परिणाम घोषित होंगे तो उसमें मोदी विजयी घोषित होंगे। सोमर्स ने कहा, मेरा मानना है कि नरेन्द्र मोदी देश के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े बहुमत से लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करेंगे। यह उनके लिए एक श्रद्धांजलि है - 1.40 अरब की आबादी और 97 करोड़ मतदाताओं वाले देश को सात चरण की चुनावी प्रक्रिया में एकजुट करना और इसे निष्पक्ष तथा पूरी तरह से वैध बनाना, और परिणाम की सत्यता पर किसी को भी संदेह नहीं है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा बृहस्पतिवार को 'विकसित भारत 2047' नामक विषय पर आयोजित एक कार्यक्रम में सोमर्स ने कहा कि यह दर्शाता है कि भारत पूर्व प्रधानमंत्री पी वी नरसिम्हा राव से लेकर मोदी तक इस विचार के पीछे पड़ गया है कि सुधार और भारत को 2047 मोड में लाने की नीति सार्वभौमिक रही है, देश को उस विकास पथ पर कैसे लाया जाए, इसके लिए सभी को पूर्ण सर्वसम्मति से समर्थन मिला है। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग के अध्यक्ष आदिल जैनुलभाई का विशेष संबोधन और एक समिति द्वारा चर्चा भी की गयी। 'विकसित भारत 2047' प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण है। भारत के महावाणिज्यदूत बिनय श्रीकांत प्रधान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के शब्दों में, विकसित भारत 2047 एक मिशन है जो न केवल महत्वाकांक्षा की मांग करता है, बल्कि आर्थिक विकास, मजबूत शासन सुधार, स्वच्छ ऊर्जा में परिवर्तन और वैज्ञानिक प्रगति को शामिल करने वाली एक बहु-आयामी रणनीति की मांग करता है। इस कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी प्रवासी, अमेरिकी अधिकारी, नीति विशेषज्ञ और विचारक समूह के प्रतिष्ठित सदस्य शामिल थे।

श्रीकांत प्रधान ने कहा, विकसित भारत 2047 की रूपरेखा में संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण शामिल होगा, जिसमें राज्य सरकारों, शिक्षा जगत, उद्योग, नागरिक समाज और भारत के युवाओं के व्यापक परामर्श और इनपुट शामिल होंगे।

सोमर्स ने भारत में लोकसभा चुनाव के लिए 97 करोड़ मतदाताओं के होने और चुनावी प्रक्रिया की सराहना करते हुए कहा, यह वास्तव में आपको आश्चर्यचकित करता है कि हम अमेरिका में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव क्यों नहीं करा पा रहे हैं। यह वास्तव में काफी हैरान करने वाली बात है कि जब आप इसे भारत में उस स्तर पर कर सकते हैं तो हमें यहां चुनौती क्यों मिल रही है। सोमर्स ने कहा कि 2047 के लिए भारत द्वारा छोड़ी जाने वाली महान विरासतों में से एक अभी मौजूदा समय में भारतीय चुनावी प्रक्रिया के साथ चल रही है।

भारत के लिए विकास का रास्ता चीन जैसा नहीं होगा : आदिल जैनुलभाई

न्यूयॉर्क/दक्षिण भारत। भारत के विकास मिशन पर आगे बढ़ने के साथ यह साफ है कि उसका रास्ता चीन जैसा नहीं होगा, क्योंकि वहां अलग वातावरण और क्षमताएं हैं। क्षमता निर्माण आयोग के चेयरमैन आदिल जैनुलभाई ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को एक विकसित देश बनाने का सपना सामने रखा है, और इस बारे में कई दृष्टिकोण हैं और हम मानते हैं कि यह अलग तरह से होगा। उन्होंने कहा, भारत के लिए विकास का रास्ता चीन के विकास पथ के समान नहीं होगा। अगले 25 वर्षों के लिए भारत की वृद्धि का मॉडल चीन जैसा नहीं होगा। यह एक अलग वातावरण है और भारत की क्षमताएं अलग हैं। जैनुलभाई ने कहा कि विश्व बैंक के अनुसार चीन की मजबूत वृद्धि निवेश और निर्यात उन्मुख विनिर्माण पर आधारित रही है। यह एक ऐसा नजरिया है, जो काफी हद तक अपने चरम पर पहुंच गया है। इससे आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय असंतुलन पैदा हो गया है। उन्होंने यहां बृहस्पतिवार को भारत के महावाणिज्य दूतावास के एक विशेष कार्यक्रम 'डेवलप्ड इंडिया एट 2047' में यह बात कही।

जूही परमार को करना पड़ा था कास्टिंग काउच का सामना

मुंबई/एजेन्सी

जूही परमार छोटे परदे की दुनिया का जाना-पहचाना चेहरा है। वह कई सालों से टीवी इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। दर्शकों को जूही परमार का सीरियल 'कुमकुम : एक प्यारा सा बंधन' आज भी याद है। इस शो ने कई साल तक दर्शकों का मनोरंजन किया था। जूही ने 'बिग बॉस' के 5वें सीजन का खिताब जीता था। इस बीच जूही ने इंडस्ट्री में उनके साथ हुए कास्टिंग काउच एक्सपीरियंस के बारे में खुलासा किया है।

जूही ने हाल ही में 'हॉटरफ्लाई' को दिए इंटरव्यू में बताया कि कैसे उन्हें समझौता करने के लिए कहा गया था। जूही ने कहा कि मैं केवल 17 साल की थीं जब मुझे इस डरावनी घटना का शिकार होना पड़ा। एक चैनल हेड ने मुझसे एक म्यूजिक एल्बम शूट करने के लिए कहते हुए कहा कि मुझे कैमरे के सामने टू-पीस बिकिनी पहननी होगी। ये सुनकर मैंने ऑफर ठुकरा दिया। इससे चैनल हेड भड़क उठा और मेरे बोल्ड सीन्स करने से मना करने पर बोला कि अगर इंडस्ट्री में टिकना है तो कॉम्प्रोमाइज करना ही होगा।

तब मैंने कहा कि भले ही मुझे कोई अच्छा मौका ना मिले और घर बैठना पड़े लेकिन मैं कभी सिद्धांतों से समझौता नहीं करूंगी। इसके बाद मैं उस चैनल के ऑफिस से चली गईं। मैंने घटना के 2 साल बाद सैकंड हैंड मारुति 800 खरीदी थी और जब मैंने देखा कि वो चैनल हेड अपने ऑफिस के बाहर खड़ा है तो मैंने उससे कहा कि मैंने आज तक कॉम्प्रोमाइज नहीं किया और खुशी से गुजारा कर रही हूं।

जूही के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो वह हाल ही 'ये मेरी फैमिली' वेब सीरीज के तीसरे सीजन में दिखी थीं। जूही की पर्सनल लाइफ की बात करें तो साल 2009 में उन्होंने एक्टर सचिन श्रॉफ से शादी की थी लेकिन कुछ सालों बाद ही रिश्ता टूट गया। साल 2018 में दोनों अलग हो गए। उनकी एक बेटी समायरा है, जिसकी जूही अकेले परवरिश कर रही हैं।

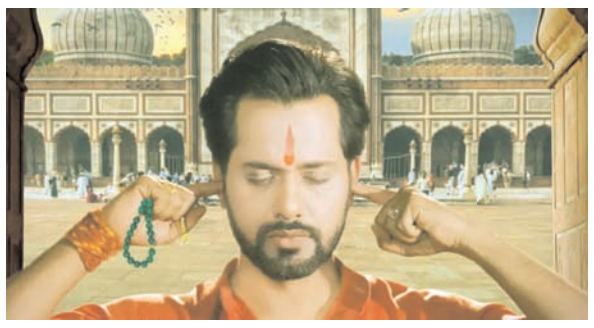

'बजरंग और अली' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता जयवीर ने 'बजरंग और अली' का दिल को छू लेने वाला ट्रेलर रिलीज किया है। बजरंग और अली का फ़िल्म बजरंग पर केंद्रित है, जो सच्ची दोस्ती का सार है।बजरंग और अली के अभिनेता और निर्देशक जयवीर ने ट्रेलर रिलीज़ के बारे में अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत खुशी और गर्व हो रहा है कि बजरंग और अली का ट्रेलर अब लाइव हो गया है! यह फ़िल्म प्यार और जुनून का एक उदाहरण है, जिसे अत्यंत समर्पण के साथ बनाया गया है। मुझे विश्वास है कि यह दर्शकों को गहराई से प्रभावित करेगी, विचार और एकता दोनों को प्रेरित करेगी। बजरंग और अली को हमारे देश को एकजुट करने, प्यार और सकारात्मकता फैलाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मेरा मानना ड्ड्है कि इस फ़िल्म को देखने वाला हर व्यक्ति थिएटर से उत्साहित और गौरवान्वित महसूस करेगा। मैं विनम्रतापूर्वक बजरंग और अली के लिए आपके समर्थन और प्यार की मांग करता हूं - यह वह फ़िल्म है जिसकी इस समय हमारे देश को ज़रूरत है। आइए हम सब मिलकर इसे एक शानदार सफलता बनाएँ! फ़िल्म बजरंग और अली 07 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने वाली है।

संजय दत्त के बाहर होते ही 'वेलकम-3' में जैकी की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

अक्षय कुमार स्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल से एक्टर संजय दत्त के बाहर होने की खबर ने फैंस को निराश कर दिया था। बताया गया कि एक्टर ने कुछ दिन की शूटिंग करने के बाद इस फिल्म से हटने का फैसला लिया। अब इस फिल्म की कास्ट और कहानी में बड़ा बदलाव किया गया है। संजय दत्त के बाहर होने के बाद जैकी श्रॉफ की एंट्री हुई है। लेकिन एक्टर की संजू बाबा की जगह नहीं लाया गया है और न ही एक्टर उनका वाला किरदार निभाएंगे। कहानी में भी हुआ है बड़ा बदलाव।

वेलकम 3 की शूटिंग पिछले कुछ समय से चल रही थी, बिहाइंड द सीन वीडियोज भी वायरल हुए थे। ऐसे में संजय दत्त ने भी अपने रोल के लिए कुछ दिनों की शूटिंग कर ली थी। लेकिन अचानक फिल्म से बाहर होने से मेकर्स को जैकी श्रॉफ को लाना पड़ा। इसके साथ ही कुछ एक्टर्स के किरदारों के साथ भी अदलाबदली की गई है। जैसे पहले जो रोल संजय दत्त निभा रहे थे अब वो सुनील शेट्टी को मिल गया है। ऐसे में उन्हें स्क्रीनस्पेस भी पहले से ज्यादा मिला है। वहीं सुनील शेट्टी का किरदार अब जैकी श्रॉफ निभाते दिखेंगे।

बता दें, वेलकम 3 अब तक किस सबसे बड़ी स्टार कास्ट के साथ बनाई जा रही है। इस फिल्म में 30 एक्टर की मज़ेदार जंगल जर्नी को दिखाया जाएगा। फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ के आलावा रवीना टंडन, लारा दत्ता, दिशा पटानी, जैकलीन फर्नांडिस, राजपाल यादव, जॉनी लीवर, परेश रावल, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा,श्रेयस तलपडे, तुषार कपूर, आफ़ताब शिवदासानी, दलेर मेहंदी, मिका सिंह, मुकेश तिवारी, जाकिर हुसैन, यशपाल शर्मा और सयाजी शिंदे जैसे एक्टर्स नज़र आएंगे। ये फिल्म दिसंबर में क्रिसमस के मौके पर रिलीज़ हो होगी।

'मुंज्या' का ट्रेलर आया सामने, हॉरर कम कॉमेडी ज्यादा नजर आई

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शरवरी वाघ तीन साल के लम्बे अंतराल के बाद एक बार फिर से सिनेमाई परदे पर वापसी करने जा रही हैं। शरवरी इन दिनों अपनी फिल्म 'मुंज्या' को लेकर चर्चाओं में हैं। निर्माताओं ने आज इस फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। तीन दिन पहले इसका टीजर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसन्द किया था। इसमें हॉरर के साथ कॉमेडी का तड़का है। निर्माता दिनेश विजान इससे पहले स्त्री, भेड़िया, रूही सरीखी हॉरर कॉमेडी फिल्में बना चुके हैं। 'मुंज्या' में शरवरी के साथ अभय वर्मा, मोना सिंह और एस सत्यराज भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। ट्रेलर में 'मुंज्या' का कहर देखने को मिला है।

ट्रेलर में चेटूकवाड़ी जगह की कहानी दिखाई गई है, यह जगह शापित है और जहां पर 'मुंज्या' की अस्थियां गढ़ी हैं, वह भी शापित है। 'मुंज्या' किसी 'मुन्नी' से शादी करना चाहता था, लेकिन शादी से पहले ही उसकी मौत हो जाती है। वह अपनी ये आखिरी इच्छा पूरा करना चाहता है। फिल्म में डर के साथ-साथ हंसी का भी जबरदस्त तड़का देखने को मिलेगा। 'मुंज्या' सिर्फ सनसेट के बाद ही आता है।

निर्माताओं ने ट्रेलर रिलीज करते हुए लिखा, मुन्नी के लिए मुंज्या जान दे भी सकता है और ले भी सकता है। इस फिल्म का डायरेक्शन आदित्य सरपोतदार ने किया है। दिनेश विजान और अमर कौशिक इस फिल्म के निर्माता हैं। योगेश चांदेकर ने इसकी कहानी लिखी है। यह फिल्म 7 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। उल्लेखनीय है कि शरवरी की पिछली फिल्म 'बंटी और बबली 2' थी, जो 2021 में रिलीज हुई थी।

फिल्म 'सौतन' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

वर्ल्ड वाइड फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही निर्माता प्रदीप सिंह की भोजपुरी फिल्म सौतन का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म सौतन में विक्रांत सिंह राजपूत और रितु सिंह के साथ संचिता बनर्जी मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। फिल्म का ट्रेलर 28 मई को रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म के निर्देशक अजय कुमार झा है, जबकि फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह, विनय सिंह, मोनिका सिंह और प्रतीक सिंह हैं। इस फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है, जिसमें विक्रांत सिंह राजपूत के साथ रितु सिंह और संचिता बनर्जी नजर आ रही हैं।फिल्म सौतन के फर्स्ट लुक में रितु सिंह और संचिता बनर्जी के बीच विक्रांत सिंह राजपूत फंसे हुए हैं और उनके गले में गमछा डालकर एक एक छोड़ दोनों अभिनेत्री ने पकड़ रखा है।

निर्माता प्रदीप सिंह ने कहा कि सौतन सामाजिक और पारिवारिक होते हुए भी एक मजेदार सिनेमा है। इसकी पहली झलक फर्स्ट लुक के रूप में सामने आयी है और 28 तारीख को ट्रेलर भी आ जाएगा उसको देखकर दर्शकों को भी अंदाजा लग जाएगा कि हमने कितनी बेहतरीन फिल्म बनाई है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म के गीत संगीत भी मनोरंजक और लोगों को अपनी ओर आकर्षित करने वाले हैं। यह फिल्म फुल पैसा वसूल होने वाली है।

वही फिल्म के अभिनेता विक्रम सिंह राजपूत ने कहा कि फिल्म की पटकथा इससे एक शानदार फिल्मों की श्रेणी में खड़ी करती है। इस फिल्म में जितने भी कलाकारों ने काम किया है उन्होंने अपना हंड्रेड परसेंट दिया है और सबों को उम्मीद है कि यह फिल्म जब रिलीज होगी तब दर्शकों का प्यार उन्हें खूब मिलेगा। फिल्म सौतन में दो खूबसूरत अभिनेत्री संचिता बनर्जी और रितु सिंह के साथ काम करने का अवसर मिला है और उसमें कोई शक नहीं की दोनों इंडस्ट्री की सबसे बेहतरीन अदाकाराओं में से एक है। इसलिए हमें लगता है कि इसका फायदा भी फिल्म को मिलेगा और हमारी फिल्म दर्शकों के दिलों में उतर जाएगी।

फिल्म सौतन का संगीत मुन्ना दुबे ने तैयार किया है। गीतकार प्यारेलाल यादव मुन्ना दुबे और शेखर मधुर हैं। फिल्म का छायांकन मनोज सिंह ने किया है। संकलन गुरजंट सिंह का है ,जबकि कोरियोग्राफी प्रसून यादव और महेश बलराज ने की है। कला रणधीर दास का है और इस फिल्म की कहानी अरविंद तिवारी ने लिखी है जबकि एक्शन प्रदीप खड़का का है।

धरना

पीडीपी अध्यक्ष महूबा मुफ्ती शनिवार को अनंतनाग जिले में संसदीय चुनाव के छठे चरण के मतदान के दौरान एक मतदान केंद्र के बाहर धरने पर बैठीं।

कांस फिल्म फेस्टिबल में जलवा बिखेरेंगी प्रीति जिंटा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानीमानी अभिनेत्री प्रीति जिंटा कांस फिल्म फेस्टिबल में जलवा बिखेरती नजर आयेंगी। ऐश्वर्या राय और कियारा आडवाणी के बाद अब प्रीति जिंटा भी कान्स के रेड कारपेट पर नजर आएंगी।

हालांकि, इससे पहले ही प्रीति का इस फिल्म फेस्टिवल से फर्स्ट लुक सामने आ चुका है।प्रीति जिंटा की हाल ही में एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह शिमरी व्हाइट गाउन में बला की खूबसूरत लग रही हैं। प्रीति कान्स फिल्म फेस्टिवल के रेड कारपेट पर वॉक करते हुए नजर आएंगी, लेकिन उससे पहले उनके फैन क्लब ने फ्रांस के रिवर साइड पर फोटोशूट करवाते हुए एक्ट्रेस की एक बेहद ही प्यारी वीडियो शेयर की है। प्रीति के गाउन में स्लीव्स में व्हाइट रंग के बाऊ लगे हुए हैं।

उन्होंने मेकअप से लेकर ज्वेलरी तक बिल्कुल मिनिमल लुक रखता है।प्रीति जिंटा इंडिया के नामचीन सिनेमैटोग्राफर संतोष सिवन को पियरे एंजिनीक्स अवॉर्ड से कान्स फिल्म फेस्टिवल 2024 में सम्मानित करने वाली हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के निरीक्षण बंगला में विराजित आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी म.सा. की आहारचर्या सम्पन्न हुई। दोपहर में स्वाध्याय सभा हुई । आचार्यश्री प्रसन्नसागर जी महाराज की अष्ट द्रव्य से पूजा की गई ।

जैन मिशन अस्पताल द्वारा महिलाओं के लिए निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर और स्तन जांच शिविर 17 जून तक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन मिशन अस्पताल ने महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार को बढ़ावा देने के लिए निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर और स्तन जांच शिविर का आयोजन 17 जून तक किया है। अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. नरपत सोलंकी ने बताया कि जैन मिशन अस्पताल चिकबल्लापुर को महिलाओं के बीच गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर की रोकथाम करने और शीघ्र पता लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाने तथा सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन कर रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वाइकल और स्तन कैंसर महत्वपूर्ण वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई हैं, जो हर साल लाखों महिलाओं को प्रभावित करती हैं।

जैन मिशन अस्पताल के अध्यक्ष डॉ. नरपत सोलंकी ने कहा, हम महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति सजगता रखने और हमारे समुदाय के सदस्यों को उनकी भलाई के लिए सक्रिय कदम

उठाने के प्रयासों में लगे हैं। मुफ्त सर्वाइकल कैंसर और स्तन स्क्रीनिंग शिविर की मेजबानी करने के लिए सभी उत्साहित हैं और इन महत्वपूर्ण स्क्रीनिंग सेवाओं तक मुफ्त पहुंच प्रदान कर रहे हैं। हम प्रारंभिक चरण में कैंसर का पता लगाने और अंततः जीवन बचाने की उम्मीद करते हैं।

हॉस्पिटल की वरिष्ठ प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. वीणा ने बताया कि बदली हुई जीवन शैली, खान-पान, सर्वाइकल कैंसर और स्तन कैंसर सहित कई कारणों से महिलाओं में यह बीमारी आम है और अगर इस बीमारी का शुरुआत में ही उचित उपचार किया जाए तो इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर एवं स्तन जांच शिविर में भाग लेने की इच्छुक महिलाएं फोन नं. 6364464467 पर सम्पर्क कर सकती हैं। यह शिविर रणजीतमल कानूंगा परिवार द्वारा प्रायोजित है। अस्पताल के सचिव उत्तमचंद जैन, अस्पताल के प्रशासनिक अधिकारी राकेश कोठारी ने बताया कि इस नई पहल के लिए अच्छा रेस्पांस आ रहा है ।

हमें अपने देव व गुरु की देखभाल करनी चाहिए : आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देऊर(सातारा)। पूना की ओर विहार करते हुए आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी स्थानीय पार्श्वनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ पहुंचे। जहां उपस्थित लोगों से धर्मचर्चा करते हुए आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिस प्रकार हम अपने शरीर का ध्यान रखते है, हमें देव और गुरु की भी देखभाल करनी होगी। हमें शरीर की नहीं अपितु देव-गुरु की परवाह करनी चाहिए। शास्त्रों में कहा गया है कि काया की माया को छोड़ना बहुत ही कठिन है। इस काया की माया को छोडना बडे बडे साधकों के लिए भी दुष्कर माना गया है।

'सुविधा मुक्ति में तथा कर्म में बाधक है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चिकबल्लापुर। शहर के निरीक्षण बंगला में विराजित आचार्यश्री प्रसन्नसागरजी म.सा. की आहारचर्या सम्पन्न हुई। दोपहर में स्वाध्याय सभा हुई ।

आचार्यश्री प्रसन्नसागर जी महाराज की अष्ट द्रव्य से पूजा की गई । इस अवसर पर आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने धर्मोपदेश देते हुए कहा कि हम आत्मा के मालिक होते हुए भी इंद्रियों के गुलाम बने हुए हैं। हम लोग आज के आधुनिक युग में अपनी इन्द्रियों के वशीभूत होकर संसार के माया जाल में फँसे हुए हैं । आज आधुनिक उपकरणों के साथ सुविधाएँ भोग रहे हैं, वह जीवन को अनुकूल तो बना रही है, पर जीवन की सार्थकता बहुत दूर होती जा रही है। सुविधा मुक्ति में बाधक है, सुविधा कर्म में बाधक है। हम सब सुविधाओं के पीछे भाग रहे हैं, अपनी आत्मा से जुड़ने का प्रयास नहीं कर रहे।

परमात्मा से जुड़ने के लिये हमें ध्यान लगाना होगा। हमें प्रभु चरणों में समर्पित होना होगा। उपाध्याय श्री पीयूषसागरजी महाराज ने क्रोध आने के कारणों को बताया और उनसे बचने के उपाय भी बताए । शाम को पुनः आचार्य संघ का विहार हुआ ।

30 साल में पहली बार पाम डिओर पुरस्कार की दौड़ में शामिल भारतीय फिल्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कान। पायल कपाड़िया की फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइट ने 77वें कान फिल्म महोत्सव में पाम डिओर पुरस्कार की दौड़ में शामिल होकर इतिहास रच दिया है। महोत्सव में दिए जाने वाले इस शीर्ष पुरस्कार को पाने की दौड़ में आज तक किसी भारतीय महिला निर्देशक की फिल्म शामिल नहीं हुई थी और न ही देश के किसी फिल्मकार को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। आज समाप्त होने वाले महोत्सव में समीक्षकों की प्रशंसा पाने वाली इस फिल्म में अपनी मंजिल तलाश रहीं तीन महिलाओं की कहानी बयां की गई है। चार प्रमुख अभिनेता-अभिनेत्रियों कानी कुश्रुति, दिव्या प्रभा, हृदयु हारून और छाया कदम समेत फिल्म निर्माण दल के सदस्यों के साथ कपाड़िया ने शुक्रवार सुबह महोत्सव के संवाददाता सम्मेलन भवन में समीक्षकों को संबोधित किया। समीक्षकों ने फिल्म की जमकर प्रशंसा की है। अमेरिकी पत्रिका वेराइटी की फिल्म समीक्षक जेसिका कियांग ने कहा कि अपने करियर में सिर्फ दो फिल्मों में ही कपाड़िया ने काफी प्रभावित किया है। 'द गार्जियन' के पीटर ब्रैडशॉ ने लिखा, कपाड़िया की फिल्म में सत्यजीत रे की 'द बिग सिटी' (महानगर) और 'डेज एंड नाइटस इन द फॉरेस्ट' (अरण्येर दिन रात्रि) की झलक है, यह बहुत धाराप्रवाह और मनोरंजक है।

जीतो नेशनल गेम्स में 40 जीतो चैप्टरों के खिलाड़ियों ने किया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो नार्थ चैप्टर द्वारा आयोजित जीतो नेशनल गेम्स 2024 के तीसरे दिन एथलेटिक्स, लॉन टेनिस, स्विमिंग पूल, चेस, टेबल टेनिस, बैडमिंटन प्रतियोगिताओं में 7 ज़ोन के 40 से अधिक चेप्टर के लगभग 450 से अधिक खिलाड़िया में से फाइनलिस्ट खिलाड़ियों ने अपना शानदार प्रदर्शन किया। इन खेलों में बेंगलूरु, बेलगावी, अहमदाबाद, कोयम्बटूर, इन्दौर, पूना, विजयवाड़ा, मुम्बई, जलगांव व आसपास के बच्चों ने अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

केकेजी ज़ोन चेयरमैन अशोक सालेचा ने कहा कि लॉन टेनिस में कड़ी मेहनत और समर्पण ही सफलता की कुंजी है। इस कौशल का अभ्यास, रणनीति और फॉर्म भी दुरुस्त करना होता है। टीएनएपीटीएस एवं केकेजी ज़ोन स्पोर्ट्स संयोजक संजय सिसोदिया ने कहा कि शतरंज खेलने से दिमाग के सोचने-समझने की क्षमता में वृद्धि होती है। इसके अलावा एक सफल रणनीति बनाने में मदद मिलती है। जिसका उपयोग हम अपने-अपने क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए कर सकते हैं। जीतो नेशनल गेम्स 2024 के संयोजक एवं नॉर्थ उपाध्यक्ष राजेश मुथा ने कहा कि टेबल टेनिस एक मज़ेदार खेल है जिसका आनंद कोई भी ले सकता है।

पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर हमारा है और हम उसे लेकर रहेंगे : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) भारत का हिस्सा है और हम उसे लेकर रहेंगे। उन्होंने पड़ोसी देश के पास परमाणु बम होने का हवाला देकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को डराने की कोशिश करने के लिए कांग्रेस पर निशाना साधा। शाह ने ऊना जिले के अम्ब में एक रैली को संबोधित करते हुए मतदाताओं से राज्य की छह विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनावों में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने की अपील भी की, ताकि इस पर्वतीय राज्य में भाजपा की सरकर बन सके। हिमाचल प्रदेश में फिलहाल कांग्रेस की सरकार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली मजबूत सरकार ही आतंकवाद से लड़ सकती है, आर्थिक विकास सुनिश्चित कर सकती है और गरीबों का ध्यान रख सकती है।

केंद्रीय गृहमंत्री ने हमीरपुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार एवं केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के समर्थन में रैली में कहा, कांग्रेस यह कहकर हमें डराने की कोशिश कर रही है कि पाकिस्तान के पास परमाणु बम है। और, आज मैं...हिमाचल से बोलता हूं कि पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर (पीओके) हमारा है, हमारा रहेगा और हम इसे लेकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि जब 2019 में अनुच्छेद 370 हटाया गया था, तब भी कांग्रेस नेताओं ने कहा था कि इससे खून-खराबा होगा, लेकिन जम्मू-कश्मीर में एक भी पत्थर नहीं फेंका गया।

शाह ने कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान, पाकिस्तान से आतंकवादी भारत में घुसपैठ करते थे, विस्फोट करते थे और वापस लौट जाते थे, लेकिन मोदी सरकार के कार्यकाल में स्थिति अब पूरी तरह बदल गयी है। उन्होंने भाजपा शासन के दौरान उरी और पुलवामा की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा, हमने 'सर्जिकल स्ट्राइक' की और आतंकवादियों को उनके घरों में ही खत्म कर दिया, जिससे आतंकवादी गतिविधियों पर रोक लग गई। उन्होंने कहा कि मोदी जैसा नेता ही आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म कर सकता है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, हिमाचल में कमल खिलाने और भाजपा की सरकार बनाने के लिए छह विधानसभा उपचुनावों में इसके (भाजपा के) उम्मीदवारों की जीत सुनिश्चित करें। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोकसभा चुनाव के पहले पांच चरणों में 310 सीट जीतते प्रतीत हो रहे हैं और छठे तथा आखिरी चरणों के चुनाव में '400 पार' का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी 40 सीट तक सीमित रहेंगे।

शाह ने रैली में लोगों से यह पूछकर कांग्रेस का मजाक उड़ाया कि अगर वह सत्ता में आती है तो प्रधानमंत्री कौन होगा। उन्होंने मोदी सरकार द्वारा 'वन रैंक, वन पेंशन' लागू करने का जिक्र किया और कहा कि कांग्रेस ने पूर्व सैनिकों की मांग स्वीकार नहीं की, लेकिन मोदी ने न केवल इसे स्वीकार किया, बल्कि पेंशनभोगियों को अब तक 1.25 लाख करोड़ रुपये वितरित किए हैं। हमीरपुर लोकसभा सीट से पांचवीं बार चुनाव लड़ रहे अनुराग ठाकुर की उपलब्धियों की सराहना करते हुए शाह ने कहा कि अगर आप दीपक लेकर भी खोजेंगे तो भी आपको उनके (ठाकुर) जैसा कद्दावर नेता नहीं मिलेगा।

शाह ने ठाकुर की 10,000 करोड़ रुपये की किरतपुर-नेर चौक चार लेन परियोजना, 1,200 करोड़ रुपये की हमीरपुर-धरमपुर राजमार्ग, 1,000 करोड़ रुपये की बिलासपुर-लेह रेलवे लाइन और 2,000 करोड़ रुपये की थोक दवा पार्क और हिमाचल प्रदेश में 1,500 करोड़ रुपये से एम्स परियोजना का जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि चार जून को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद दो सरकारें बनेंगी- एक केंद्र में और दूसरी हिमाचल प्रदेश में। उन्होंने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, राहुल बाबा विश्राम के लिए छह जून को बैंकॉक जाएंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) से जुड़े लोगों के खिलाफ जहां 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले हुए, वहीं प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ एक पैसे का भी भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा है और यही कारण है कि पूरा देश उनके लिए तीसरा कार्यकाल चाहता है।

सोनिया, राहुल ने नई दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में वोट डाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को लोकसभा चुनाव के छठे चरण में नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र में अपना वोट डाला। वे सुबह करीब साढ़े नौ बजे निर्माण भवन के मतदान केंद्र पर पहुंचे और अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, उनके पुत्र रेहान राजीव वाद्रा और पुत्री मिराया वाद्रा ने भी मतदान किया।

इस बार नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस पार्टी का उम्मीदवार चुनावी मैदान में नहीं है क्योंकि यहां कांग्रेस की सहयोगी आम आदमी पार्टी के सोमनाथ भारती चुनाव लड़ रहे हैं। 'इंडिया' गठबंधन के तहत आम आदमी पार्टी दिल्ली की चार और कांग्रेस तीन सीट पर चुनाव लड़ रही है।

नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र में सोमनाथ भारती का मुकाबला भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार बांसुरी स्वराज से है।

सपा, कांग्रेस की सरकारों ने तुष्टीकरण के कारण आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई में कोताही की: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलिया (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विपक्षी दलों सपा और कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया और कहा कि वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति के कारण उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करने में कोताही बरती।

मुख्यमंत्री ने सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रविंद्र कुशवाहा के समर्थन में बलिया जिले के मनियर में एक चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस और सपा पर जमकर निशाना साधा।

योगी ने कहा कि ''जब हम तत्कालीन सरकार से कहते थे कि आतंकवाद से निपटो, तो वे कहते थे- कैसे! वोट बैंक और तुष्टीकरण की राजनीति के चलते उनके द्वारा आतंकवाद से निपटने में कोताही बरती जाती थी।'' उन्होंने कहा कि ''जब सपा की राज्य में और कांग्रेस की केंद्र में सरकार थी तो कभी काशी, कभी अयोध्या, तो कभी लखनऊ में बम विस्फोट होते थे। देश का कोई कोना नहीं बचा था, जहां बम विस्फोट न होते हों।''

योगी ने कहा ''तब कांग्रेस की सरकार आतंकवादियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई को लेकर बहाना बनाती थी। उनमें कार्रवाई को लेकर इच्छा शक्ति का अभाव था। तुष्टीकरण और वोट बैंक के कारण कोताही बरती।'' उन्होंने कहा ''छठे चरण में आम लोगों के उत्साह और उमंग से स्पष्ट है कि एक बार फिर चार जून को मोदी सरकार बनने जा रही है और चार सौ पार का लक्ष्य पूरा होने जा रहा है।''

हर सभाओं की तरह योगी ने यहां भी दोहराया कि ''जनता तय कर चुकी है कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लायेंगे।'' उन्होंने कहा ''कश्मीर से कन्याकुमारी और असम के कामरूप से गुजरात के कच्छ तक यही नारा गूंज रहा है कि चार जून को दिल्ली के सिंहासन पर राम भक्त ही बैठेगा।''

सलेमपुर लोकसभा क्षेत्र में सातवें चरण में एक जून को मतदान होगा।

मतदान

रांची में क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी शनिवार को संसदीय चुनाव के छठे चरण के दौरान एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डालने पहुंचे।

लोगों ने झूठ, नफ़रत और दुष्प्रचार को नकारा : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को मतदान करने के बाद कहा कि देश की जनता ने इस लोकसभा चुनाव में झूठ, नफ़रत और दुष्प्रचार को नकार दिया है।

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र में वोट डाला।

मतदान के बाद अपनी मां सोनिया गांधी के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, देशवासियों, पहले पांच चरणों के मतदान में आपने झूठ, नफ़रत और दुष्प्रचार को नकार कर अपने जीवन से जुड़े ज़मीनी मुद्दों को प्राथमिकता दी है।

उन्होंने कहा, आज छठे चरण का मतदान है और आपका हर वोट सुनिश्चित करेगा कि युवाओं के लिए 30 लाख

सरकारी पदों पर भर्ती और एक लाख रुपये प्रति साल की पहली नौकरी पक्की योजना शुरू हो जाए, गरीब परिवारों की महिलाओं के खातों में 8,500 रुपये महीना आने लगे, किसान कर्ज़ मुक्त हों और उन्हें फसल पर सही एमएसपी मिले, मजदूरों को 400 रुपये का दैनिक मेहनताना मिले। उन्होंने लोगों का आह्वान किया, आपका वोट आपके जीवन को बेहतर बनाने के साथ-साथ लोकतंत्र और संविधान की रक्षा भी करेगा। मां और मैंने लोकतंत्र के इस महापर्व में वोट डाल कर अपना योगदान दिया।

पटना में 'स्मार्ट सिटी' और 'नमामि गंगे' का पैसा कहां गया : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसभाओं की पृष्ठभूमि में शनिवार को राज्य से जुड़े कुछ विषयों को लेकर उनसे सवाल किए और कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि पटना में स्मार्ट सिटी और नमामि गंगे परियोजनाओं का पैसा कहां गया।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि केंद्र सरकार ने बिहार में मनरेगा मजदूरों की अनदेखी की है। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''पटना के स्मार्ट सिटी और नमामि गंगे के फंड कहां गायब हो गए? क्या बिहटा हवाई अड्डा कभी बनेगा? भाजपा और जद(यू) की सरकार एक और पेपर लीक को रोकने में क्यों विफल रही? पटना विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा क्यों नहीं दिया गया?'' उन्होंने कहा, ''पटना को 2019 और 2020 में बड़े पैमाने पर जलभराव और बाढ़ का सामना करना पड़ा था। तब की आपदाओं से यह साबित हुआ था कि पानी निकासी की प्रणालियों में व्यापक रूप से निवेश करने की आवश्यकता है। लेकिन स्मार्ट सिटी परियोजना और नमामि गंगे परियोजना के तहत मिली धनराशि का अभी भी काफ़ी कम इस्तेमाल किया गया है।''

रमेश के मुताबिक, इन योजनाओं के तहत छह सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और 5 नए सीवरेज नेटवर्क को मंजूरी दी गई थी, लेकिन 11 परियोजनाओं में से केवल चार ही पूरी हो पाई हैं। नमामि गंगे परियोजना के तहत छह संयंत्रों पर कैग की रिपोर्ट के अनुसार छह एसटीपी और उनके नेटवर्क में से कोई भी पूर्ण रूप से पूरा नहीं हुआ है।

'' उन्होंने दावा किया, ''राज्य में जब युवा बेरोज़गारी और ग्रामीण संकट ने गंभीर रूप धारण किया है तब मनरेगा सैकड़ों हज़ारों परिवारों के लिए जीवन रेखा है। फ़िर भी, जब भी बिहार में भाजपा सत्ता में होती है तो यह महत्वपूर्ण योजना लड़खड़ाने लगती है।''

कांग्रेस नेता ने सवाल किया, ''बक्सर में इतनी सारे महत्वपूर्ण परियोजनाएं अधूरी क्यों पड़ी हैं? चौसा में 500 से भी अधिक दिनों से किसान भाजपा-जदयू के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन क्यों कर रहे हैं?''

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com